राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
क्रांति समय
सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार,26 जुन2020 वर्ष-2, अंक -113 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देशभर में आकाशीय बिजली गिरने से 100 से अधिक लोगोंकी मौत

नई दिल्ली (एजेंसी), भारी बारिश और आकाशीय बिजली गिरने से देश के विभिन्न हिस्सों में 110 से अधिक लोगों की मौत हो गई। साथ ही सैकड़ों पशुओं की भी मौत की खबर है।

कई स्थानों पर बारिश के कारण पेड़ और मकान गिरने के भी मामले सामने आए हैं। आपदा प्रबंधन विभाग ने इसकी पुष्टि की है।

जानकारी के अनुसार, बिहार, उत्तर प्रदेश और झारखंड में आकाशीय बिजली गिरने से 110 लोगों की मौत हो गई है।

बिहार में सर्वाधिक 83 लोगों की मौत हुई है।

उत्तर प्रदेश में 23 और झारखंड में 4 लोगों की मौत आकाशीय बि. जली की चपेट में आने से हुई है।

बताया जा रहा है कि इनमें से अधिकांश लोग खेतों में काम करने वाले हैं।

आकाशीय बिजली गिरने से बिहार के गोपालगंज में 14, मधुबनी-नवादा में 8-8, सीवान-भागलपुर में 6-6, दरभंगा-पूर्वी चंपारण-बांका जिलों में 5-5 लोगों की मौत हुई है। खगडिया और औरंगाबाद में 3-3 तथा पश्चिमी चंपारण, किशनगंज, जहानाबाद, जमुई, पूर्णिया, सुपौल, कैमूर व बक्सर में 2-2 लोगों की मौत हुई है। समस्तीपुर, शिवहर, सारण, सीतामढ़ी और मधेपुरा में एक-एक व्यक्ति की जान आकाशीय बिजली गिरने से गई है।

उत्तर प्रदेश में आकाशीय बिजली गिरने से देवरिया में 9, प्रयागराज में 6, अंबेडकरनगर में 3, बाराबंकी में 2, कुशीनगर, फतेहपुर, उन्नाव, बलरामपुर में 1-1 की मौत हुई हैं। आकाशीय बिजली की चपेट में आने से झारखंड के पलामू और गढ़वा जिले में महिला समेत चार लोगों की मौत हो गई है। साथ ही बिजली की चपेट में आने से कई मवेशियों की जान भी चली गई। कई जगह लोग घायल भी हुए हैं। घायलों का इलाज जारी है।

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
YouTube Linkedin
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

फ्लाइट में हंगामा करने वाले यात्रियों के लिए नए नियम जारी, DGCA ने बताया आखिर क्यों किया ऐसा

नई दिल्ली। विमान में उड़ान के दौरान उत्पात मचानेवाले यात्रियों से निपटने के लिए नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने नए नियम जारी किए हैं। ये नियम विमान कंपनियों और उनके चालक दल के सदस्यों के लिए जारी किए गए हैं। डीजीसीए ने कहा है कि कोविड-19 महामारी के बीच नए नियम-कायदों के लागू होने के कारण यात्रियों में तनाव बढ़ सकता है। इसके परिणामस्वरूप यात्रियों और चालक दल के सदस्यों के बीच विवाद बढ़ सकते हैं।

डीजीसीए द्वारा जारी एक परिपत्र में कहा गया है कि चालक दल के सदस्यों को उड़ानों के दौरान अपने समक्ष आनेवाले कुछ नए मुद्दों की जानकारी अवश्य रखनी चाहिए होना चाहिए। जैसे कि विमान में यात्रियों द्वारा मास्क नहीं लगाना या चेहरा नहीं ढंकना, नस्लों, राष्ट्रीयताओं, गृह नगरों या किसी यात्री में कोविड-19 के लक्षण से मिलती-जुलती लक्षणों के कारण उनके बीच झगड़ा होने की स्थिति आ सकती है।

डीजीसीए ने कहा कि, कोविड-19 के माहौल में उत्पात मचानेवाले यात्रियों से निपटने के लिए ऑपरेटर (एयरलाइन) को विमान में यात्रा के लिए शुरू में ही मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) को विस्तार से बताना चाहिए। परिपत्र में कहा गया है कि यात्रियों द्वारा यात्रा से पहले, बाद में या यात्रा के दौरान उत्पात मचाने के मामले बढ़ने की आशंका है। महानिदेशालय ने एयरलाइनों से कहा है कि वे उत्पात मचानेवाले यात्रियों से निपटने की अपनी नीति को व्यापक रूप से प्रचारित करें। वे इसे अपनी वेबसाइट पर, टिकट खरीद के दौरान, चेक-इन प्रक्रिया के दौरान यथासंभव लोगों को बता सकते हैं। डीजीसीए ने कहा कि कोविड-19 के संदर्भ में बेलगाम यात्रियों की पहचान, रोकथाम और प्रबंधन के लिए, ऑपरेटरों को उड़ान के दौरान की प्रक्रियाओं की घोषणा करनी चाहिए और चालक दल को संवेदनशील बनाने के लिए संबद्ध प्रशिक्षण प्रक्रियाएं विकसित करनी चाहिए।

..तो क्या नेपाल ने चीन को दान की थी अपनी जमीन ? भारत अलर्ट

नई दिल्ली

लद्दाख में चीन के साथ चल रहे तनाव के बीच भारत ड्रैगन की हर नापाक चाल पर कड़ी नजर रखे हुए है। चीन के नेपाल की भूमि पर कब्जा करने की खबर के बाद नई दिल्ली अब इसके रणनीतिक पहलुओं का आकलन कर रहा है। भारत ड्रैगन की इस हरकत का सटीक लोकेशन की जानकारी जुटा रहा है। साथ ही यह भी जानने की कोशिश कर रहा है कि क्या नेपाल ने कहीं जानबूझकर ये जमीन ड्रैगन को दान तो नहीं कर दी थी। हमारे सहयोगी अखबार इकनॉमिक टाइम्स को जानकारी मिली है कि भारत इस बात का भी आकलन कर रहा है कि नेपाल में चीन के कब्जे वाले हिस्से का देश की सीमा पर कोई असर तो नहीं पड़ेगा। ईटी को जानकारी मिली है कि नई दिल्ली इस बात पर भी गौर कर रहा है कि क्या नेपाल के राजनीतिक नेताओं या वहां के पीएम केपी शर्मा ओली की सरकार ने चीन को यह जमीन दान में तो नहीं दे दी है। दोनों ही परिस्थितयों में भारत और चीन के रिश्ते और बिगड़ सकते हैं। चीन लगातार पड़ोसियों की जमीन पर कब्जा करने की चाल चलता रहता है और वहां के सुरक्षा हालात को बिगाड़ता रहा है।

पीएम ओली ने कुर्सी बचाने को चली चाल? नेपाल के जानकारों का कहना है कि यह वक्त वहां के पीएम ओली समेत टॉप लीडरशिप को चीन की चाल समझने की जरूरत है। जानकारों का कहना है कि पीएम ओली अपनी कुर्सी बचाने के लिए चीन के करीब जा रहे हैं लेकिन इससे भारत-नेपाल के रिश्तों पर असर पड़ रहा है।

पीटी हेक्सिंग को दिया आर्डर होल्ड पर-ईईएसएल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हमें बताया कि चीनी मूल की कंपनी पीटी हेक्सिंग (क्ष्ञ्च ग्र×द्बठ्ठद्द) को दो बार में करीब 20 लाख सिंगल फेज वाले स्मार्ट मीटर का आर्डर दिया

गया है। उसे पिछले साल करीब 5 लाख मीटर और इस साल लॉकडाउन के बीच 15 लाख मीटर का आर्डर दिया गया है। हर मीटर करीब 2300 रुपये का है। मतलब पूरा आर्डर करीब 460 करोड़ रुपये का है।

लोकलाइजेशन का ध्यान रखा जाएगा-उक्त अधिकारी के मुताबिक आर्डर हासिल करने वाली कंपनी ने कहा था कि मीटर बनाने में लोकलाइजेशन का ध्यान रखा जाएगा लेकिन अभी जो ट्रायल सप्लाई आई है, वह बाहर से मंगाया गया है। इसलिए उनको दिया गया आर्डर अभी होल्ड कर दिया गया है। दोनों आर्डर की रिव्यू की जा रही है। यदि टेंडर की गाइडलाइन और सरकार के निर्देशों पर आर्डर खरा उतरता है तो आगे सप्लायी होगी। यदि नही तो फिर आर्डर केंसिल कर दिया जाएगा।

सबसे पहले BSNL ने रद्द किया था टेंडर-चीन को बॉर्डर पर की गई गुस्ताखी का जवाब सबसे पहले क्च्स्हरु से मिला। इसमें भारत सरकार ने सरकारी टेलिकॉम कंपनियों से किसी भी चीनी कंपनी के इक्विपमेंट्स का इस्तेमाल न करने को कहा है। भारत संचार निगम लिमिटेड (क्च्स्हरु) और महानगर टेलीफोन निगम लिमिटेड के टेंडर को कैंसिल कर दिया गया है। इससे चीन को करीब 3 हजार करोड़ का नुकसान होगा।

रेलवे ने भी रद्द किया था ठेका

गलवान में झड़प के तुरंत बाद रेलवे ने भी चीनी कंपनी का ठेका रद्द किया था। यह प्रॉजेक्ट करीब 417 करोड़ का था। यह चीनी कंपनी बीजिंग नेशनल रेलवे रिसर्च एंड डिजायन इंस्टीट्यूट के पास था। इसमें कानपुर और मुगलसराय के बीच 417 किलोमीटर लंबे खंड पर सिग्नल और दूरसंचार का काम होना था। रेलवे ने कहा कि ठेका काम की स्लो स्पीड की वजह से रद्द किया जा रहा है।

तीसरा झटका महाराष्ट्र की तरफ से

चीन को तीसरा झटका महाराष्ट्र सरकार से मिला था। वहां उद्धव सरकार ने चीनी कंपनियों के साथ साइन तीन अग्रीमेंट को ठंडे बस्ते में डाल दिया है। ये तीन प्रॉजेक्ट करीब 5 हजार करोड़ के थे। इन्हें हाल ही में मैग्नेटिक महाराष्ट्र 2.0 इंवेस्टर समिट में साइन किया गया था। इस बारे में इंडस्ट्री मिनिस्टर सुभाष देसाई ने बताया कि ये अग्रीमेंट गलवान हिंसा से पहले साइन हुए थे। केंद्र सरकार को इसकी जानकारी दे दी गई है। विदेश मंत्रालय ने फिलहाल चीन के साथ कोई और अग्रीमेंट साइन नहीं करने की सलाह दी है।

भारत-चीन में हुआ था समझौता-भारत-नेपाल और चीन के बीच ट्राइजंक्शन सीमा है। 1954 में भारत और चीन ने कैलास मानसरोवर यात्रियों को लिपुलेख दर्रे के इस्तेमाल की इजाजत दी थी। 1950 में तिब्बत पर चीन के कब्जे के बाद नेपाल ने भारत को अपनी उत्तरी सीमा के करीब 17 मिलिटरी नाका बनाने की इजाजत दे दी थी। 2015 में पीएम नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनफिंग के संयुक्त बयान में लिपुलेख का जिक्र किया गया था

मुफ्त वाई-फाई के चक्कर में साफ हो रहे ग्राहकों के बैंक खाते, RBI ने किया आगाह

कानपुर। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने डिजिटल लेनदेन के सुरक्षित उपयोग के लिए ग्राहकों को सतर्क किया है कि सार्वजनिक, खुले या मुफ्त वाईफाई-नेटवर्क के माध्यम से बैंकिंग या अन्य वित्तीय लेन-देन करने से बचें। मुफ्त वाई-फाई के चक्कर में बड़ी संख्या में ग्राहकों के खाते साफ हो रहे हैं। इस संबंध में विभिन्न बैंकों में 170 ग्राहकों ने शिकायतें भी दर्ज कराई हैं। रिजर्व बैंक के चीफ जनरल मैनेजर योगेश दयाल के मुताबिक डिजिटल लेनदेन की सुरक्षा को ग्राहकों को सर्वोच्च प्राथमिकता देना चाहिए। रिजर्व बैंक ने इस संबंध में अलर्ट करने के लिए 'आरबीआई कहता है' अभियान भी लांच किया है। ग्राहकों को लुभाने के लिए ओपन वाई-फाई में धोखेबाज नेटवर्क स्पीड का फायदा उठाते हैं। ऐसी जगहों को चिन्हित कर लुभावने ऑफर भेजते हैं। भारी भरकम डिस्काउंट के ऑफर फ्लैश करते हैं। चीफ जनरल मैनेजर के मुताबिक हाल के दिनों में धोखेबाजों द्वारा केवाईसी आवश्यकताओं को पूरा करने आदि जैसे फर्जी बहाने से और बैंकों की वेबसाइटों की हूबहू नकल करके ठगने के मामलों में तेजी आई है। ग्राहकों से कहा गया है कि मोबाइल, ई-मेल, इलेक्ट्रॉनिक वॉलेट या पर्स पर महत्वपूर्ण बैंकिंग डेटा न रखें। गलती से भी किसी को ओटीपी, पिन या सीवीवी नंबर न बताएं।

स्टेट बैंक का अलर्ट, कोविड टेस्टिंग के नाम पर फ्रॉड-देश के सबसे बड़े बैंक, भारतीय

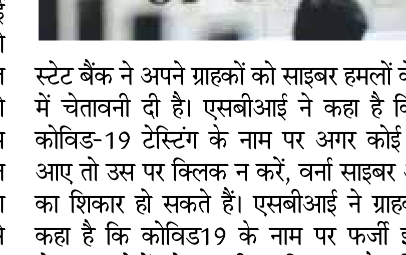

स्टेट बैंक ने अपने ग्राहकों को साइबर हमलों के बारे में चेतावनी दी है। एसबीआई ने कहा है कि फ्री कोविड-19 टेस्टिंग के नाम पर अगर कोई ईमेल आए तो उस पर क्लिक न करें, वर्ना साइबर अटैक का शिकार हो सकते हैं। एसबीआई ने ग्राहकों से कहा है कि कोविड19 के नाम पर फर्जी ई-मेल भेजकर लोगों से उनकी व्यक्तिगत और वित्तीय जानकारी चोरी कर रहे हैं। ये हैकर्स बैंक की डिटेल ले आपके अकाउंट को हैक कर रहे हैं।

भारत से बातचीत के साथ विवाद को लंबा खींचकर नए फ्रंट खोलना चाहता है ड्रैगन

नई दिल्ली। चीन के साथ सैन्य व कूटनीतिक स्तर पर बातचीत जारी रहने के बाद भी भारत को ड्रैगन पर भरोसा नहीं हो रहा है। कूटनीतिक स्तर पर भारत की ओर से बार-बार तय सहमति को ईमानदारी से और तेजी से लागू करने पर जोर दिया जा रहा है लेकिन सूत्रों ने आशंका जताई कि चीन मामले को लंबा खींचकर नए फ्रंट खोल सकता है। साथ ही, गलवान इलाके में ठंड तक अपनी सेनाओं की मौजूदगी के बाद कुछ नई हरकतों को अंजाम दे सकता है। सूत्रों के अनुसार भारत बातचीत के साथ जमीनी हालात पर नजर बनाए हुए है क्योंकि चीन हर सहमति और समझौते की जमीन पर अपनी सुविधा के मुताबिक व्याख्या करता है। चीन की नजर नए इलाकों पर है। खुफिया रिपोर्ट चीन की खतरनाक मंशा की तस्दीक करती हैं। भारत की चिंता लद्दाख के अलावा अन्य सीमाओं को लेकर भी है क्योंकि चीन एक जगह ध्यान बंटाकर दूसरी जगह घात करता है। गलवान घाटी में भी नए इलाकों में चीनी सेना की गतिविधि की जानकारी भारतीय पक्ष को है। सूत्रों ने कहा कि भारत बार-बार ईमानदारी से समझौतों को लागू करने की बात इसीलिए कर रहा है क्योंकि जो सूचनाएं मिल रही हैं, वे संदेह पैदा करती हैं।

चीन को भारत की दो टूक, नियंत्रण रेखा का कड़ाई से पालन हो

भारत और चीन के सैनिकों के बीच

हिंसक झड़प के बाद आपसी भरोसे की कमी साफ नजर आ रही है। भारत ने बुधवार को सीमा विवाद पर बने तंत्र के तहत संयुक्त सचिव स्तर की बातचीत में नियंत्रण रेखा का कड़ाई से पालन करने और सहमति का ईमानदारी से पालन करने की नसीहत दी है। दोनों पक्ष सैन्य व कूटनीतिक स्तर पर बातचीत जारी रखने पर भी सहमत हुए हैं। बैठक में भारत ने 15 जून को हुई घटना और गलवान घाटी में चीन की हाल की गतिविधियों को लेकर अपनी चिंता को दोहराया। भारत-चीन सीमा मामलों पर परामर्श और समन्वय के लिए कार्य तंत्र की 15वीं बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित की गई थी। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व संयुक्त सचिव (पूर्वी एशिया) ने किया जबकि चीन की ओर से सीमा विभाग के महानिदेशक ने प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई की।

चीनी पक्ष को चिंता से अवगत कराया

विदेश मंत्रालय द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक दोनों पक्षों ने भारत-चीन सीमा क्षेत्रों में विशेष रूप से पूर्वी लद्दाख की स्थिति के घटनाक्रम पर विस्तार से चर्चा की है। भारतीय पक्ष ने पूर्वी लद्दाख में हाल के घटनाक्रमों पर अपनी चिंता से चीनी पक्ष को अवगत कराया। खासतौर पर 15 जून को चीन की साजिश से हुई हिंसक घटना के परिप्रेक्ष्य में चिंता साझा की गई।

कोरोना संक्रमित मरीजों की तलाश के लिए राज्य सरकारें दोगुने टेस्ट की तैयारी में जुटीं

नई दिल्ली। संक्रमित मरीजों की तलाश के लिए राज्य सरकारें अब दिल्ली की तर्ज पर टेस्ट दोगुना करने की तैयारी कर रही हैं। आंध्र प्रदेश सरकार ने अगले 90 दिन में घर-घर जाकर सबका टेस्ट करने का ऐलान किया है। ऐसा करने वाला आंध्र प्रदेश पहला राज्य होगा। वहीं, महाराष्ट्र, यूपी, हरियाणा, छत्तीसगढ़ और गुजरात में बड़ी संख्या में रैपिड एंटीजन टेस्ट शुरू हो गया है। पश्चिम बंगाल और झारखंड सरकार ने भी तुरंत टेस्ट की संख्या बढ़ाने का निर्देश दिया है।

आंध्र प्रदेश में सबका टेस्ट-आंध्र प्रदेश की सरकार शुरू से ही आक्रामक टेस्टिंग, मरीजों से जुड़े लोगों की तलाश और संक्रमितों का समय पर इलाज करने में जुटी हुई है। गंभीर मामलों के लिए निजी अस्पतालों को कोविड अस्पताल बना दिया है और दूसरे अस्पतालों को हल्के लक्षण वाले मरीजों के लिए, कोविड केयर सेंटर में तब्दील कर दिया है।

आखिरी चरण में पहुंची कोरोना की ये वैक्सीन, भारत में भी होगी टेस्टिंग

हरियाणा में एंटीजन टेस्टिंग शुरू-हरियाणा ने कोरियाई कंपनी को एक लाख एंटीजन टेस्ट किट खरीदा है। बुधवार को फरीदाबाद, गुरुग्राम में परीक्षण भी शुरू कर दिए गए। सबसे पहले हॉटस्पॉट इलाकों और श्रमिकों व स्वास्थ्यकर्मियों का टेस्ट किया जाएगा। इसके बाद राज्यभर में कोरोना के लक्षण वाले सभी लोगों की जांच होगी।

यूपी में गांव-वार्ड तक परीक्षण होगा

सरकार ने ज्यादा से ज्यादा एंटीजन टेस्ट करने के आदेश दिए हैं। एक लाख टीम बनाई जाएंगी जो हर हफ्ते संक्रमण वाले इलाकों में जाएंगी। गांवों में ब्लाक और ग्राम पंचायत स्तर पर और शहरी क्षेत्रों में हर वार्ड में जांच की सुविधा होगी।

आयुर्वेद विभाग ने कोरोनिल पर भेजा दिव्य फार्मेसी को नोटिस

देहरादून। आयुर्वेद विभाग ने दिव्य फार्मेसी को कोरोनिल व श्वासारि वटी दवाई को लेकर नोटिस जारी किया है। फार्मेसी से कोरोना की दवा के दावे का आधार पूछा गया है। नोटिस का संतोषजनक जवाब न मिलने पर कार्रवाई को चेताया गया है।

पतंजलि ने मंगलवार को कोरोना की दवा ईजाद करने का दावा करते हुए उसे लॉन्च किया था। मामला खबरों में आने पर आयुष मंत्रालय ने इस मामले में नोटिस भेजते हुए दवा के प्रचार पर रोक लगा दी थी। केंद्र ने राज्य के आयुष

डॉ. रावत के अनुसार, कोरोनिल टेबलेट को इम्यूनिटी बूस्टर व श्वासारि वटी को सर्दी-खांसी व श्वसन संबंधी समस्या के लिए मंजूरी प्रदान की गई थी।

विभाग को भी पत्र भेज मामले से जुड़ी सारी पत्रावलियां और जानकारी देने को कहा था। इसके तहत अब आयुर्वेद विभाग के लाइसेंसिंग अधिकारी डॉ. वाईएस रावत ने दिव्य फार्मेसी को नोटिस भेजकर एक सप्ताह के भीतर जवाब देने को कहा है। डॉ. रावत के अनुसार, कोरोनिल टेबलेट को इम्यूनिटी बूस्टर व श्वासारि वटी को सर्दी-खांसी व श्वसन संबंधी समस्या के लिए मंजूरी प्रदान की गई थी।

दिव्य फार्मेसी ने अपने आवेदन में कोरोना का कहीं उल्लेख नहीं किया था। न कोरोना किट के निर्माण की कोई स्वीकृति ली गई है। उन्होंने बताया कि फार्मेसी की ओर से कोरोनिल टेबलेट के लेबल पर कोरोना वायरस का चित्र लगाया गया है। ऐसे में फार्मेसी ने ड्रग एंड मैजिक ऐक्ट का उल्लंघन किया है। फार्मेसी को कोरोना किट के प्रचार पर तत्काल रोक लगाने व लेबल संशोधित करने का आदेश दिया है। उधर, पतंजलि के सीईओ आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि अभी कोई नोटिस नहीं मिला है। जब मिलेगा तो उसका जवाब दिया जाएगा।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

डीजल का महंगा होना

पेट्रोल, डीजल की कीमतों का निरंतर 18 दिनों से बढ़ते जाना जितना ध्यान खींच रहा था, उससे कहीं ज्यादा डीजल की कीमत ने चौंका दिया। दिल्ली क्षेत्र में डीजल अब पेट्रोल से लगभग 12 पैसे महंगा हो गया है। आखिर ऐसा क्यों हुआ? इसका सबसे बड़ा कारण टैक्स का असमान होना है। देश में आमतौर पर पेट्रोल अभी भी डीजल से महंगा है, लेकिन दिल्ली में डीजल पर अधिक टैक्स होने के कारण उसकी कीमत पेट्रोल से आगे निकल गई है। तत्काल पहल करनी चाहिए, ताकि डीजल और पेट्रोल के बीच अंतर बना रहे। हमें यह ध्यान रखना होगा कि किसी समय डीजल और पेट्रोल के बीच 20 से 30 रुपये का भी अंतर हुआ करता था। यह अंतर इसलिए था, क्योंकि डीजल का उपयोग आमतौर पर सिंचाई, सवारी या माल ढोने वाले भारी वाहनों में होता है। डीजल की कीमतों को सरकारें संभालती थीं, क्योंकि डीजल की कीमत बढ़ने का सीधा असर किसानों व महंगाई पर पड़ता था। इन दो ईंधनों के बीच अंतर बने रहने में ही अर्थव्यवस्था की भलाई है। यह नहीं भूलना चाहिए कि जो निजी यात्री वाहन डीजल से चलते हैं, उनकी कीमत भी पेट्रोल वाले वाहनों से कहीं अधिक होती है, इसलिए भी पेट्रोल और डीजल की कीमतों का समान हो जाना अपनी ही परिवहन या वाहन नीति के विरुद्ध है। यह भी सोच लेना चाहिए कि दिल्ली में ज्यादा कीमत रखने से ग्राहक उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों की ओर रुख कर सकते हैं, इससे दिल्ली को ही राजस्व का नुकसान उठाना पड़ेगा। दिल्ली और पड़ोसी उत्तर प्रदेश के बीच आठ रुपये का अंतर है। अत- जहां यह प्रयास करना चाहिए कि पेट्रोल और डीजल की कीमतों के बीच तार्किक अंतर रहे, वहीं यह भी देखना होगा कि राज्यवार कीमतों में ज्यादा अंतर नहीं हो। भारत को पूरी एक आर्थिक इकाई के रूप में ही देखते हुए चलना चाहिए। उद्योग जगत में 10 और 20 पैसे का भी बड़ा महत्व होता है, अत- राज्यवार कीमतों में अंतर 50 पैसे या एक रुपये से ज्यादा रखना ठीक नहीं है। लोगों को सरकारों का कर-नियोजन समझ में नहीं आता, लेकिन वह यह देखकर परेशान जरूर होते हैं कि दिल्ली में पेट्रोल 79.76 रुपये, तो मुंबई में 86.54 रुपये प्रति लीटर कैसे है? तेल कंपनियों की ओर भी सरकार की निगाह जानी चाहिए। 82 दिनों तक कीमतों को स्थिर रखने के बाद ये कंपनियां 7 जून से लगातार कीमतों को बढ़ाती चली जा रही हैं और अभी आने वाले दिनों में कीमतें बढ़ने की आशंका है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल कीमतों में उछाल शुरू हो चुका है। सोचना होगा, मात्र 18 दिन में ईंधन की कीमतों में करीब 10 रुपये की बढ़त सुधार की बाट जोहती अर्थव्यवस्था के लिए ठीक नहीं है। जो सब्सिडी उद्योग जगत को कोरोना काल में दी जा रही है, कहीं ऐसा न हो कि पेट्रोल और डीजल के जरिए आर्थिक मदद का एक बड़ा हिस्सा लोगों से छिन जाए। कोरोना के समय में सरकार के लिए राजस्व जरूरी है, लेकिन वह तर्कपूर्ण होना चाहिए। तेल कंपनियों को लागत के हिसाब से कीमत तय करने की ताकत दी गई है, लेकिन कीमतें यूं लगातार भी न बढ़ें कि रोजमर्रा का बजट ही बिगड़ने लगे। तेल कपंनियों को ध्यान रखना चाहिए कि मुनाफे में तेल बेचना ही उनका काम नहीं है। उन्हें देश की अर्थव्यवस्था की स्थिरता व मजबूती के बारे में भी सोचना होगा।

आज के ट्वीट

हल्ला

आयुर्वेद V/S एलोपैथ

103 रुपये की एक टेबलेट, दिन में 9 टेबलेट लेनी है, यानी 927 एक दिन का खर्चा, ग्लेनमार्क कम्पनी की दवाई का..!!

बाबा जी ने 550 में पूरा कोर्स दे दिया, हल्ला तो होगा ही... -- अर्णव गोस्वामी

चीन से मुकाबले को बने दूरगामी रणनीति

जी. पार्थसारथी

लद्दाख की गलवान नदी घाटी में चीनी सैनिकों से मुठभेड़ में बटालियन कमांडर समेत 20 भारतीय सैनिकों के शहीद होने की खबर आने के बाद भारत में भावावेश उफान पर है। इस इलाके में चीनी अपनी मौजूदगी मजबूत करते चले आ रहे हैं। चीन ने साथ लगते पैंग-गोंग त्सो झील क्षेत्र पर भी अपना दावा जताया है। इतना ही नहीं, साथ लगती 'फिंगर' नामक 8 पहाड़ियों में 4 पर अपना दावा ठोका है। विगत में इस इलाके पर अधिकार को लेकर न केवल भारत-चीन के बीच हिंसक झड़प होती आई है बल्कि स्थानीय बौद्ध लोग, जो गलवान घाटी में चीनियों की मौजूदगी को लेकर खासे आक्रोशित रहे हैं, उनके और चीनियों के बीच सशस्त्र संघर्ष होता रहता था। गलवान घाटी में भारत की सैन्य उपस्थिति वर्ष 1962 में भी थी, हालांकि 19-20 अक्तूबर, 1962 को हुए भारत-चीन युद्ध में यह इलाका चीन ने कब्जा लिया था। तथापि गलवान और पैंगगोंग झील क्षेत्र पर चीन के दावे का तो कोई कानूनी और न ही ऐतिहासिक आधार है, जबकि यह इलाका लंबे समय तक भारत का हिस्सा रहा है। लेकिन पिछले साल संसद में गृहमंत्री अमित शाह के इस वक्तव्य के बाद कि अक्साई चिन, जो तिब्बत और चीन के शिनजियांग प्रांत को आपस में जोड़ता है, वह लद्दाख का हिस्सा है, इससे चीन की भृकुटि तन गई थी। इतिहास में गलवान घाटी का इलाका संघर्षों का गवाह रहा है लेकिन 1947 में भारत के विभाजन के बाद जब जम्मू-कश्मीर भी बंटा तो इससे एकदम नई स्थिति पैदा हो गई थी, जब सूबे का उत्तर-पश्चिमी हिस्सा पाकिस्तान के नियंत्रण में चला गया था। आगे चलकर वर्ष 1963 में पाकिस्तान ने जम्मू-कश्मीर की शक्सगाम घाटी गैर-कानूनी ढंग से चीन को सौंप दी थी, जिसके चलते अक्साई चिन और शक्सगाम घाटी से होकर चीन की पहुंच मुस्लिम बहुल शिनजियांग प्रांत तक बन गई थी। हालांकि, दौलत बेग ओल्डी क्षेत्र में भारत की मौजूदगी को लेकर चीन चिंता जताता आया है, क्योंकि यह भू-भाग अक्साई चिन को जोड़ने वाली सामरिक महत्व की सड़क से सटा है, जिसके माध्यम से चीन की पहुंच अस्थिर शिनजियांग सूबे तक बनती है, जहां 10 लाख से ज्यादा मुस्लिमों को चीन ने बंदीगृहों में रखा हुआ है। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि चीन भारत द्वारा बनाई जाने वाली सड़क को लेकर गंभीर चिंतातुर है, यह मार्ग गलवान घाटी और पैंगगोंग त्सो के सर्पीले दर्रों से होकर दौलत बाग ओल्डी तक पहुंचता है, जहां भारत ने हवाई अड्डा बनाया हुआ है। दोनों सेनाओं के स्थानीय कमांडरों के बीच 5 जून को हुई भेंट में यह तय किया गया था कि तनाव घटाने के लिए दोनों ओर के सैनिक पीछे हटेंगे। बैठक में यह सहमति भी बनी थी कि चीन गलवान घाटी के कुछ इलाके से हट जाएगा। इसलिए 16 जून को तनाव घटाने की प्रक्रिया का अनुपालन करवाने के सिलसिले में मौका-मुआयना करने गए भारतीय फौज के बटालियन कमांडर पर हुआ निर्मम हमला और उनका वीरगति को प्राप्त करना किसी भी तरह विश्वासघात से कम नहीं है। इसके बाद हालात तेजी से रणभूमि सरीखे बन गए और नतीजे में 20 भारतीय सैनिक शहीद हुए, तो अनुमान के मुताबिक 30-40 चीनी फौजी भी ढेर हुए हैं। चीन पर यह खुमारी चढ़ गयी है कि अब वह वैश्विक महाशक्ति अमेरिका की जगह लेने ही वाला है। चीन के साथ हमारी लंबी सीमा रेखा साझी है, इसलिए सीमा विवाद पर चीन से लगातार वार्ता बनाए रखना एक आवश्यकता है। परंतु ठीक इसी वक्त अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा एवं क्षेत्रीय अखंडता की कीमत पर समझौता करने का कोई सवाल ही नहीं पैदा होता। बतौर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सदस्य और विश्व स्वास्थ्य संगठन सदन अध्यक्ष, भारत के पास अब दीगर समस्याओं के हल ढूंढ़ने में अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भूमिका निभाने और अपना नजरिया रखने का मौका है। सामरिक रूप से भारत की उच्चतम तरजीह हालांकि यह सुनिश्चित करना होगा कि किसी भी सूरत में लद्दाख तक पहुंचते हमारे संपर्क मार्गों को चीन अवरुद्ध न करने पाए। चीन के साथ आर्थिक संबंधों की रूपरेखा में भारत बड़े स्तर पर बदलाव लाने जा रहा है। द्विपक्षीय व्यापार में 54 बिलियन डॉलर का भारी असंतुलन जारी रहना न तो वांछित है न ही सहने योग्य। फिलवक्त भारत के इलेक्ट्रॉनिक बाजार में चीन का आधिपत्य है। भारत के कुल मोबाइल फोन्स का 70 प्रतिशत चीनी कंपनियां भारत में असेम्बल करती हैं। चीन अपनी भीमकाय दूरसंचार कंपनी हुआवे के जरिए आगामी 5-जी नेटवर्क में भी अपनी पकड़ बनाना चाहता है। भारत में काम करने वाली सभी चीनी इलेक्ट्रॉनिक कंपनियों की एक साझी बात यह है कि उनके उत्पाद वैल्यू-एडिशन के लिहाज से भारत के लिए नगण्य योगदान करते हैं। फोन के लगभग तमाम मुख्य घटक पुर्जे चीन से आयात करके यहां आपस में केवल जोड़े जाते हैं। इसके अलावा पूरा उच्च प्रबंधन चीनियों के हाथ में है। वे किसी तरह का तकनीक हस्तांतरण भी नहीं करते। अलबत्ता, हालिया घटनाक्रम के मद्देनजर 5-जी नेटवर्क में अब हुआवे के लिए कोई महत्वपूर्ण भूमिका नहीं रहेगी। इलेक्ट्रॉनिक्स और अन्य उद्योगों में ताइवान की संभावना बतौर मुख्य साझेदार बन सकती है, यहां तक कि अमेरिका तक में। चीन के सामने डटकर खड़े होने की हिम्मत रखने वाली ताइवान की नवनिर्वाचित राष्ट्रपति त्साई इंग-वेन के शपथ समारोह में दो भारतीय सांसदों की उपस्थिति करवा कर भारत ने चीन को एकदम साफ संदेश दे डाला है। यह भारत के लिए मुफीद होगा कि बड़ी परियोजनाएं जैसे कि कंप्यूटर, दूरसंचार और अन्य इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग क्षेत्र, इसमें सामरिक महत्व के पुर्जे मसलन सेमीकंडक्टर और कंप्यूटर चिप निर्माण इकाइयां भी शामिल हों, इन पर ताइवान के साथ साझेदारी बनाई जाए। इसको लेकर यदि चीन एतराज करे तो उसे खारिज किया जा सकता है। आखिरकार खुद चीन पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में भारी निवेश करके निर्माण कार्य चलाए हुए है। इसके अलावा चीन पाक अधिकृत कश्मीर के राजनेताओं का स्वागत अपने यहां करता आया है। ताइवान के साथ नजदीक संबंध बनाना इसका जवाब है। हिंद-प्रशांत और हिंद महासागरीय इलाके के पड़ोसी देशों से सुरक्षा साझेदारी बनाने को लेकर भारत जो संकोच रखता था, वह अब त्याग दिया है। भारत के लिए अब वक्त आ गया है कि वियतनाम जैसे अच्छे दोस्त और तेजी से अपनी अर्थव्यवस्था सुधारते देश को ब्रह्मोस मिसाइलों समेत अनेकानेक हथियार दिए जाएं ताकि वह अपनी समुद्री सीमा पर बन आए चीनी खतरे का मुकाबला कर सके। वियतनाम जैसे दोस्ताना मुल्कों के साथ सैन्य सहयोग बनाने के लिए हमें लंबे से पाल रखी अपनी झिझक को त्यागना होगा। साथ ही चीन के साथ गंभीर और निरंतर बातचीत के लिए दरवाजे खुले रखने होंगे। यहां रूस और उसके विदेश मंत्री सर्गेई लैवरोव की भूमिका काबिलेतारीफ है, जिन्होंने इस सप्ताह के आरंभ में रूस-भारत-चीन के विदेश मंत्रियों के बीच हुई त्रिपक्षीय वार्ता में शांति और सहयोग की प्रक्रिया के महत्व पर जोर दिया है। उनकी यह टिप्पणी भारत और चीन के वरिष्ठ सैन्य कमांडरों के बीच चली लंबी समझौता वार्ता के तुरंत बाद आई थी। इस बैठक में दोनों पक्षों ने गलवान घाटी और पैंग-गोंग झील सीमा क्षेत्र में सैनिकों के पीछे हटाने हेतु 'तस्दीकशुदा सैनिक वापसी' करना माना है। लेकिन यहां कोई भ्रम नहीं पाला जाए क्योंकि चरणबद्ध तरीके से होने वाली सैनिकों की वापसी निर्बाध होना इतना भी आसान नहीं होगा। तथापि शांति की राह में यह स्वागतयोग्य है। आखिर में शुक्रगुजार राष्ट्र उन सैनिकों की बहादुरी और शहादत को नहीं भूल सकता, जिन्होंने गलवान नदी के तट पर आमने-सामने की लड़ाई में हमारे देश की रक्षा की खातिर अपने प्राणों की आहुति दी है। लेखक पूर्व वरिष्ठ राजनयिक हैं।

ज्ञान गंगा

एकाग्रता

श्रीराम शर्मा आचार्य

एकाग्रता एक उपयोगी सत्प्रवृत्ति है। मन की अनियन्त्रित कल्पनाएं, अनावश्यक उड़ानें उस उपयोगी विचार शक्ति का अपव्यय करती हैं, जिसे यदि लक्ष्य विशेष पर केंद्रित किया गया होता, तो गहराई में उतरने और महत्त्वपूर्ण उपलब्धियां प्राप्त करने का अवसर मिलता। यह चित्त की चंचलता ही है, जो मन-संस्थान की दिव्य क्षमता को ऐसे ही निर्थक गंवाती और नष्ट-भ्रष्ट करती रहती है। संसार के वे महामानव जिन्होंने किसी विषय में पारंगत प्रवीणता प्राप्त की है या महत्त्वपूर्ण सफलताएं उपलब्ध की हैं, उन सबने विचारों पर नियंत्रण करने, उन्हें अनावश्यक चिंतन से हटाकर उपयोगी दिशा में चलाने की क्षमता प्राप्त की है। इसके बिना चंचलता की वानरी वृत्ति से ग्रसित व्यक्ति न किसी प्रसंग पर गहराई के साथ सोच सकता है और न किसी कार्यक्रम पर देर तक स्थिर रह सकता है। शिल्प, कला, साहित्य, शिक्षा, विज्ञान, व्यवस्था आदि महत्त्वपूर्ण सभी प्रयोजनों की सफलता में एकाग्रता की शक्ति ही प्रधान भूमिका निभाती है। चंचलता को तो असफलता की सगी बहिन माना जाता है। बाल चपलता का मनोरंजक उपहास उड़ाया जाता है। वयस्क होने पर भी यदि कोई चंचल ही बना रहे-विचारों की दिशा धारा बनाने और चिंतन पर नियंत्रण स्थापित करने में सफल न हो सके, तो समझना चाहिए कि आयु बढ़ जाने पर भी उसका मानसिक स्तर बालकों जैसा ही बना हुआ है। ऐसे लोगों का भविष्य उत्साहवर्धक नहीं हो सकता। आत्मिक प्रगति के लिए तो एकाग्रता की और भी अधिक उपयोगिता है। इसलिए मेडीटेशन के नाम पर उसका अभ्यास विविध प्रयोगों द्वारा कराया जाता है। इस अभ्यास के लिए कोलाहलरहित ऐसे स्थान की आवश्यकता समझी जाती है, जहां विक्षेपकारी आवागमन या कोलाहल न होता हो। एकान्त का तात्पर्य जनशून्य स्थान नहीं, वरन् विक्षेपरहित वातावरण है। सामूहिकता हर क्षेत्र में उपयोगी मानी गई है। उपासना भी सामूहिक हो, तो उसमें हानि नहीं, लाभ ही है। मस्जिदों में नमाज, गिरजाघरों में प्रेयर, मन्दिरों में आरती सामूहिक रूप से ही करने का रिवाज है। इसमें न तो एकांत की कमी अखरती है और न एकाग्रता में कोई बाधा पड़ती है।

एक प्रतिभा जिसे मौका न मिला

नवीन पांचाल

क्रिकेट की अपनी गजब गाथा है। बाएं हाथ के स्पिनर राजिंदर गोयल इसी गाथा का ऐसा अध्याय हैं जो बेशक अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में चमकता सितारा नहीं बन पाए लेकिन घरेलू क्रिकेट में उनका कोई सानी नहीं। उनकी फिरकी का खौफ इतना था कि दिग्गज बल्लेबाज विकेट के सामने टिक नहीं पाते। गोयल का नाम घरेलू क्रिकेट की ऐसी इबारत है, जिसका लोहा प्रत्येक समकालीन बल्लेबाजी और बॉलर ने माना। हरियाणा के नरवाना कस्बे में 20 सितंबर, 1942 के दिन जन्में राजिंदर गोयल की शिक्षा व पालन-पोषण रोहतक में हुआ। उन्हें पहली बार वर्ष 1957 में उस समय पहचान मिली जब ऑल इंडिया स्कूल टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में नोर्थ जोन की ओर से खेलते हुए वेस्ट जोन के चार खिलाड़ियों के विकेट झटके और बेस्ट बॉलर के टाइटल से नवाजे गए। अपने प्रारंभिक कोच किशन दयाल को इस उपलब्धि का श्रेय देने वाले गोयल का घरेलू क्रिकेट में पदार्पण इसी सफलता के साथ हुआ। उन्होंने पटियाला, दक्षिण पंजाब, दिल्ली और हरियाणा के लिए घरेलू श्रृंखलाओं में हिस्सा लिया और अपने समय के धांसू बल्लेबाजों के विकेट लेकर अपनी फिरकी का लोहा मनवाया। 24 साल के घरेलू क्रिकेट करिअर में बाएं हाथ के स्पिनर राजिंदर गोयल ने 157 प्रथम श्रेणी मैच खेले, जिसमें उन्होंने 750 विकेट हासिल किए। 640 विकेट उन्होंने 123 रणजी ट्रॉफी मैचों में लिए थे। उनका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 55 रन देकर आठ विकेट रहा। वर्ष 2017 में बीसीसीआई ने उन्हें सीके नायडू लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से भी नवाजा था। बेशक वह कभी अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखलाओं में भारत के लिए नहीं खेल पाए लेकिन उनके चेहरे पर कभी ऐसे भाव नहीं आए, जिससे उन्हें इसका मलाल प्रतीत हुआ हो। वह अपने जीवन से कितने संतुष्ट रहे, इसका अनुमान खेल पत्रकार प्रदीप मैगजीन द्वारा उल्लेखित वाक्ये से लगाया जा सकता है। प्रदीप मैगजीन लिखते हैं, 'गोयल ने बैंक की नौकरी के दौरान ट्रांसफर की शर्त पर पदोन्नति लेने से इनकार कर दिया। जबकि पद, पैसा और रुतबा सब कुछ ज्यादा मिल रहा था। लेकिन वह रोहतक छोड़कर जाने के लिए तैयार नहीं थे।' ऐसा ही संतुष्टि का स्तर उन्होंने खेल जीवन में भी रखा। 1974-75 में जब वह शानदार फॉर्म में चल रहे थे तो बेंगलुरू में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट में उन्हें भारतीय टीम में शामिल किया जाना तय हो गया। उन्हें टीम में शामिल करने के लिए बुला लिया गया शुरुआत में सब कुछ ठीक-ठाक रहा, लेकिन जब टीम की घोषणा हुई तो उनका नाम खिलाड़ियों की लिस्ट से गायब था। दरअसल, इस मैच में बिशन सिंह बेदी को अनुशासनात्मक कार्रवाई के कारण बाहर बैठा दिया गया था। अनेक ऐसे वाक्ये मिलते हैं, पर राजिंदर गोयल ने कभी बेदी की खिलाफत नहीं की। हां, एकाध दफा ऐसा भी हुआ जब उन्होंने माना कि बेदी उनके समक्ष नहीं होते तो वह भी भारतीय टीम और अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट का हिस्सा बन जाते। यह सच भी है। कई ऐसे मौके आए जब बिशन सिंह बेदी ने बाजी पलटी और राजिंदर गोयल की जगह टीम इंडिया का हिस्सा बने। उनके समकालीन व भारत के महान बल्लेबाजों में शामिल रहे सुनील गावस्कर ने भी उनकी गेंदबाजी का लोहा माना। खुद गावस्कर स्वीकार करते थे कि वह राजिंदर गोयल की फिरकी से डरते रहे थे। हरियाणा की टीम में उनके साथी रहे अशोक मलहोत्रा की बात मानें तो वह नेट के दौरान भी अक्सर पहले ही कह देते थे कि बॉल को छू तक नहीं पाओगे व तुम्हें बाहर जाना पड़ेगा। सच में ऐसा होता भी था। बेशक बॉल वह बाएं हाथ से फेंकते लेकिन बल्लेबाजी दायें हाथ से ही करते थे। बेहद शर्मीले व मिलनसार प्रकृति के धनी राजिंदर गोयल की क्रिकेट के प्रति दीवानगी यह थी कि उनकी शादी भी क्रिकेट के मैदान में तय हुई। दरअसल, जब शीला का रिश्ता लेकर उनके परिजन पहुंचे तो वह वैश्य कॉलेज के मैदान पर खेल रहे थे। क्रिकेट के प्रति उनकी दीवानगी देखकर गणपत सिंघला ने अपनी बेटी शीला का विवाह उनके साथ करना तय कर दिया। उनका एक और वाक्या उनके जीवन का निचोड़ बताने के लिए काफी होगा। अपने करिअर के उफान पर जब उन्हें एक इंग्लिश लीग कांट्रेक्ट के चलते इंग्लैंड में रुकना पड़ा तो वहां उन्हें सर्दी लग गई। अलग तरह का शहर व विदेशी संस्कृति के साथ कई कारणों ने उन्हें इस कदर परेशान किया कि वह ज्यादातर समय अपने कमरे में ही बिताते। यहां तक कि वह मैदान पर भी दिखाई नहीं दिए और आखिरकार वापस वतन लौट आए। उनकी अचानक मृत्यु ने क्रिकेट खिलाड़ियों व उनके प्रशंसकों को बेशक धक्का पहुंचाया, लेकिन उनका जीवन स्वयं में एक संदेश रहा। वह कभी बहुत अधिक के पीछे नहीं दौड़े, बल्कि उसी में खुश रहे जो उन्होंने हासिल किया। रणजी के रिकार्ड्स के साथ जीवन के अनेक ऐसे पहलू हैं, जिनसे उन्हें अर्से तक याद रखा जाएगा।

आज का राशिफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी।

वृषभ पारिवारिक जनों के साथ सुखद समाचार मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पराक्रम में वृद्धि होगी।

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। वाणी की सौम्यता प्रतिष्ठा में वृद्धि करायेगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। धन लाभ के योग हैं।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। राजनैतिक दिशा में चल रहा प्रयास सफल होगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। स्वास्थ्य शिथिल रहने की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

कोविड-19 से एमएसएमई क्षेत्र को लगा बड़ा झटका, कई ने अस्थायी रूप से बंद किया कारोबार : सर्वेक्षण

नयी दिल्ली। कोविड-19 संकट की वजह से कई सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उपक्रमों (एमएसएमई) को अपना कारोबार बंद करना पड़ा है। एंड्यूरेंस इंटरनेशनल ग्रुप द्वारा किए गए एक सर्वेक्षण में यह तथ्य सामने आया है। इस सर्वेक्षण में जून के पहले दो सप्ताह में करीब 500 भारतीय एमएसएमई इकाइयों के विचार लिए गए। इनमें से एक-तिहाई एमएसएमई ने इस बात की पुष्टि की कि स्थिति सामान्य होने तक उन्होंने अस्थायी तौर पर अपना कारोबार बंद कर दिया है। सर्वेक्षण में कहा गया है कि मुख्य रूप से महानगरों तथा खुदरा और विनिर्माण क्षेत्र के एमएसएमई का कारोबार कोविड-19 संकट की वजह से सबसे अधिक प्रभावित हुआ है। ज्यादातर यानी करीब 60 प्रतिशत एमएसएमई का मानना है कि कारोबार सामान्य होने में छह महीने तक का समय लगेगा। इस संकट से बाहर निकलने के लिए एमएसएमई क्षेत्र सरकार से मदद चाहता है। सर्वेक्षण में शामिल 50 प्रतिशत एमएसएमई ने कहा कि वे सरकार से कर रियायत या पूरी तरह कर मुक्ति की उम्मीद कर रहे हैं। 36 प्रतिशत एमएसएमई का कहना था कि वे सरकार से शून्य ब्याज पर या सस्ता कर्ज चाहते हैं। कोरोना वायरस महामारी की वजह से लागू लॉकडाउन के चलते 30 प्रतिशत एमएसएमई ने बिजनेस वेबसाइट या ई-कॉमर्स सुविधा शुरू की है। शिक्षा क्षेत्र से जुड़े एमएसएमई द्वारा डिजिटल माध्यमों के इस्तेमाल में सबसे अधिक उछाल आया है। सर्वेक्षण में एक और खास बात यह सामने आई है कि लॉकडाउन के दौरान ई-कॉमर्स के जरिये कामकाज करने वाले एमएसएमई के कुल राजस्व में इसका हिस्सा बढ़कर 50 प्रतिशत हो गया है। खुदरा और शिक्षा क्षेत्र के राजस्व में ई-कॉमर्स का हिस्सा बढ़कर क्रमशः 53 और 65 प्रतिशत हो गया है।

चांदी के वायदा भाव में गिरावट

नयी दिल्ली। कमजोर मांग और सटोरियों के अपने सौदे घटाने के चलते चांदी का वायदा भाव बृहस्पतिवार को 225 रुपये तक गिर गया । एमसीएक्स पर जुलाई डिलिवरी सौदों में चांदी वायदा भाव 225 रुपये यानी 0.47 प्रतिशत टूटकर 47,561 रुपये प्रति किलोग्राम रहा। इसके लिए 3,916 लॉट का कारोबार हुआ। इसी तरह सितंबर डिलिवरी के लिए 4,264 लॉट के कारोबार में यह भाव 184 रुपये यानी 0.38 प्रतिशत घटकर 48,550 रुपये प्रति किलोग्राम रहा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर न्यूयॉर्क में चांदी भाव 0.20 प्रतिशत गिरकर 17.77 डॉलर प्रति औंस पर रही।

मांग घटने से कच्चा तेल वायदा टूटा

नयी दिल्ली। कच्चे तेल का वायदा भाव बृहस्पतिवार को 1.87 प्रतिशत टूटकर 2,839 रुपये प्रति बैरल पर आ गया। कमजोर मांग से कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार घटाने से कच्चे तेल के वायदा भाव में गिरावट आई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में कच्चे तेल का जुलाई अनुबंध 54 रुपये या 1.87 प्रतिशत टूटकर 2,839 रुपये प्रति बैरल पर आ गया। इसमें 4,387 लॉट का कारोबार हुआ। इसी तरह कच्चे तेल का अगस्त आपूर्ति का अनुबंध 50 रुपये या .71 प्रतिशत के नुकसान से 2,879 रुपये प्रति बैरल पर आ गया। इसमें 106 लॉट का कारोबार हुआ। वैश्विक स्तर पर वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चा तेल 1.24 प्रतिशत के नुकसान से 37.54 डॉलर प्रति बैरल पर चल रहा था। वैश्विक स्तर पर वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट कच्चा तेल 1.24 प्रतिशत के नुकसान से 37.54 डॉलर प्रति बैरल पर चल रहा था।

पहली बार 50 हजार के पार पहुंचा सोने का भाव, विदेशों में आई तेजी का दिखा असर

नई दिल्ली।

देश में सोने की कीमतें पहली बार बुधवार को 50 हजार रुपए प्रति 10 ग्राम के स्तर पर पहुंच गई हैं। सोने की कीमतों में यह रिकॉर्ड तेजी विदेशी बाजारों में दिख रही तेजी के बाद सामने आई हैं। कोरोना काल में पैदा हुए हालात का सबसे ज्यादा असर सोने में देखने को मिल रहा है, जिसकी वजह से ये निवेशकों की पहली पसंद बना हुआ है। हालांकि गुरुवार को दिल्ली में सोने की कीमतों में कुछ नरमी देखने को मिली है। लंदन, न्यूयॉर्क और स्विटरजरलैंड के बाजारों में सोने की ट्रेडिंग में तेजी देखने को मिली है, जिसके चलते सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच गई हैं। दिल्ली में 10 ग्राम सोने के दाम 50,405 रुपए दर्ज किया गया है। लंदन और न्यूयॉर्क के बाजारों में हालात अच्छे नहीं चल रहे हैं, जिसके चलते निवेशकों का रुख अचानक सोने की तरफ हो गया है। बुलियन बैंकों में बड़े पैमाने पर नुकसान हुए हैं। सोने की उधार दरें बढ़ रही हैं। दिल्ली सर्राफा बाजार में सोने की कीमतों में गुरुवार को नरमी देखने मिली। फिलहाल यहां पर 24 कैरेट सोने के रेट 49,400 रुपए प्रति 10 ग्राम पर दर्ज किया गया है। देश के सर्राफा बाजार में सोने की कीमतों की बात करें तो यहां 24 कैरेट सोना 48,575 रुपए ट्रेड कर रहा है। हालांकि बुधवार को दिल्ली के सर्राफा बाजार में सोने का भाव 49,352 रुपए प्रति 10 ग्राम हो गया था।

कमजोर मांग से सोयाबीन वायदा कीमतों में नरमी

नयी दिल्ली। कमजोर हाजिर मांग के कारण कारोबारियों ने अपने सौदों के आकार को कम किया जिससे वायदा कारोबार में बृहस्पतिवार को सोयाबीन की कीमत 10 रुपये की गिरावट के साथ 3,780 रुपये प्रति क्विन्टल रह गयी। एनसीडीईएक्स में सोयाबीन के जुलाई महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 10 रुपये अथवा 0.26 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,780 रुपये प्रति क्विन्टल रह गई जिसमें 49,765 लॉट के लिए कारोबार हुआ। सोयाबीन के अगस्त महीने में डिलीवरी वाले अनुबंध की कीमत 12 रुपये अथवा 0.32 प्रतिशत की गिरावट के साथ 3,776 रुपये प्रति क्विन्टल रह गई जिसमें 23,850 लॉट के लिए कारोबार हुआ। बाजार सूत्रों ने कहा कि कारोबारियों द्वारा अपने सौदों का आकार कम करने से मुख्यतः यहां वायदा कारोबार में सोयाबीन कीमतों में गिरावट दर्ज हुई।

ट्राई ने टीवी चैनल चुनने में मदद के लिए पेश की एप

नयी दिल्ली। भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने बृहस्पतिवार को टीवी चैनल चुनने में मदद करने वाली एक एप पेश की। यह एप ग्राहकों को अपनी पसंद के चैनलों का चुनाव करने और नापसंद चैनलों को हटाने की सुविधा देती है। ट्राई ने एक बयान में कहा कि प्रसारण सेवाओं के लिए नयी दरें तय करने के बाद यह सामने आया है कि ग्राहकों को उनके सेवाप्रदाताओं के वेबपोर्टल या एप पर टीवी चैनलों को चुनाव करने या समूह में चैनल चुनने या उन्हें हटाने में दिक्कत आ रही है। इसलिए ट्राई ने ऐसा एप विकसित करने का निर्णय किया जो सभी वितरण मंच परिचालकों (टीवी चैनल सेवाप्रदाताओं) से जानकारियां लेकर एक ही जगह पर उपलब्ध कराएगा। ट्राई ने कहा कि अभी इस एप पर बड़े डीटीएच सेवा प्रदाताओं, मल्टी सिस्टम ऑपरेटरों (एमएसओ/केबल ऑपरेटर) की जानकारी उपलब्ध है। कोशिश की जा रही है कि अन्य सेवाप्रदाताओं की जानकारियों को भी इससे जोड़ा जाए। नियामक ने कहा कि 'टीवी चैनल सेलेक्टर एप' को टीवी उपयोक्ताओं को पारदर्शी और भरोसेमंद व्यवस्था देने के इरादे से विकसित किया गया है। की पहचान का सत्यापन एक बार उपयोग होने वाले पासवर्ड (ओटीपी) से किया जाएगा। यह उनके पंजीकृत मोबाइल नंबर पर भेजा जाएगा। यदि किसी उपयोक्ता ने सेवाप्रदाता के साथ अपना नंबर पंजीकृत नहीं कराया है।

वायदा-विकल्प अनुबंधों की समाप्ति पर मामूली गिरावट के साथ बंद हुए घरेलू शेयर बाजार

मुंबई।

वायदा एवं विकल्प के मासिक अनुबंधों की समयसीमा के समाप्त होने पर बृहस्पतिवार को उथल-पुथल भरे सत्र के बाद घरेलू शेयर बाजार मामूली गिरावट के साथ बंद हुए। कारोबारियों ने कहा कि वैश्विक बाजारों से प्राप्त नकारात्मक संकेतों ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। बीएसई के 30 शेयरों वाले संवेदी सूचकांक सेंसेक्स में कारोबार के दौरान 581.83 अंकों का उतार-चढ़ाव देखा गया। यह कारोबार के दौरान 35,081.61 अंक के उच्चतम स्तर और 34,499.78 अंक के निचले स्तर के दायरे में रहा। अंततः यह 26.88 अंक यानी 0.08 प्रतिशत गिरकर 34,842.10 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह, एनएसई का निफ्टी भी 16.40 अंक या 0.16 प्रतिशत फिसलकर 10,288.90 अंक पर बंद हुआ। दिवस के दौरान यह 10,361.80 अंक के उच्च स्तर और 10,194.50 अंक के निचले स्तर पर रहा। सेंसेक्स की कंपनियों में एशियन पेंट्स में सर्वाधिक तीन प्रतिशत से अधिक की गिरावट रही। इसके बाद इंफोसिस, एचसीएल टेक, एमएंडएम, ओएनजीसी, एनटीपीसी, इंडसइंड बैंक और टीसीएस में भी गिरावट रही। दूसरी ओर, आईटीसी, बजाज फाइनेंस, कोटक बैंक और एचयूएल के शेयरों में तेजी रही। आनंद राठी के प्रमुख- इक्विटी रिसर्च (फंडामेंटल) नरेंद्र सोलंकी के अनुसार, बाजार ने अमेरिकी बाजारों से मिले कल रात के नकारात्मक संकेतों और एशियाई बाजारों की सुस्ती के कारण कारोबार की शुरुआत गिरावट में रही। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) ने वैश्विक अर्थव्यवस्था की वृद्धि के अनुमानों को संशोधित किया और बुधवार को इसमें अतिरिक्त कटौती की। उसने कहा कि वैश्विक अर्थव्यवस्था में इस साल 4.9 फीसदी की गिरावट आ सकती है। इससे पहले उसने अप्रैल में अपनी पिछली रिपोर्ट में तीन फीसदी गिरावट की आशंका व्यक्त की थी। सोलंकी ने कहा कि मासिक वायदा और विकल्प (एफएंडओ) की समयसीमा समाप्त होने के कारण भी बाजार में उतार-चढ़ाव को बल मिला। कारोबारियों ने बताया कि इसके अलावा दुनिया भर में कोरोना वायरस महामारी के संक्रमण के मामलों की बढ़ती संख्या अर्थव्यवस्थाओं को फिर से खोलने से उत्पन्न आशावाद पर लगाम लगा रही है। एशियाई बाजारों में जापान के निक्की और दक्षिण कोरिया के कोस्पी में 2.27 प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गयी। चीन का शंघाई कंपोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग सार्वजनिक अवकाश के कारण बंद रहे। यूरोपीय शेयर बाजार शुरुआती सौदों में मिश्रित कारोबार कर रहे थे। दुनिया भर में कोविड-19 मामलों की संख्या 94.08 लाख को पार कर गयी है ।

तेल तिलहन बाजार में नरमी, सस्ते आयात से घरेलू उद्योग को सहारा देने की जरूरत कारोबारी

नयी दिल्ली। विदेशी बाजारों से सस्ते तेल का आयात बढ़ने की आशंका के बीच स्थानीय तेल-तिलहन कारोबारियों का कहना है कि घरेलू उद्योग को सस्ते आयात से बचाने की जरूरत है। इसके लिये सरकार को आयात पर उचित मात्रा में शुल्क लगाना चाहिये ताकि घरेलू उद्योग प्रतिस्पर्धा में बने रह सकें और रोजगार भी बचाया जा सके। इस बीच, बाजार सूत्रों का कहना है कि मलेशिया में पामतेल का भारी स्टॉक जमा होने के बीच सस्ते तेलों का आयात बढ़ने की आशंका बढ़ गई है। उनका कहना है कि घरेलू उद्योगों को सहारा देने के लिये सस्ते आयात पर उचित स्तर पर शुल्क बढ़ाया जाना चाहिये। इससे घरेलू उद्योगों में रोजगार भी बचाये जा सकेंगे और आयात शुल्क से सरकार को राजस्व भी प्राप्त होगा। सूत्रों ने कहा कि सस्ते आयातित तेलों की आवक बढ़ने से सरसों, मूंगफली और सोयाबीन जैसे देशी तेलों के बाजार पर दबाव है। पिछले कुछ महीनों के दौरान खाद्य तेलों का बाजार 25 प्रतिशत तक टूट चुका है। लॉकडाऊन उठने के बाद बाजार में सस्ते आयातित तेलों की मांग बढ़ी है। इसका खामियाजा घरेलू उत्पादकों को भुगतना पड़ सकता है। ऐसे में सरकार को उचित कदम उठाने चाहिये। इसका खामियाजा घरेलू उत्पादकों को भुगतना पड़ सकता है। ऐसे में सरकार को उचित कदम उठाने चाहिये।

खेसारी दाल उत्पादन बढ़ाने के प्रयास तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश में दलहन के उत्पादन में आत्मनिर्भर बनने और लोगों की प्रोटीन की जरूरतों को पूरा करने के उद्देश्य से बेहद स्वादिष्ट मानी जाने वाली खेसारी दाल की पैदावार को बढ़ावा देने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं। बिहार से इसकी खेती को बढ़ावा देने का शुरुआती प्रयोग सफल हुआ है और अब इसका विस्तार किए जाने की तैयारी की जा रही है। एक समय देश में बड़े पैमाने पर खेसारी की खेती की जाती थी लेकिन इसमें लकवा को बढ़ावा देने वाले तत्व ओडीएपी (ऑक्सालिल डायमिनो प्रोपियनिक एसिड) के अधिक मात्रा में पाए जाने के बाद इसकी खेती पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। बाद में वैज्ञानिकों ने खेसारी की दो किस्मों रतन और प्रतीक का विकास किया जिसमें ओडीएपी की मात्रा 0.1 प्रतिशत से भी कम है जिससे इसे स्वास्थ्य की दृष्टि से बिल्कुल उपयुक्त माना गया है। केंद्रीय जैव प्रोद्योगिकी विभाग ने खेसारी की खेती को बढ़ावा देने तथा फिर से इसे लोकप्रिय बनाने के लिए बिहार कृषि विश्वविद्यालय को बायो टेक किसान हब परियोजना दी है जिसके तहत कई अभिनव प्रयोग किए जा रहे हैं। विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक एवं इस परियोजना के प्रमुख चंदन कुमार पांडा, निदेशक शिक्षा विस्तार आर के सोहाने तथा अटारी पटना के प्रमुख अंजनी कुमार ने बताया कि खेसारी की दो नई किस्मों में 31 प्रतिशत प्रोटीन, 41 प्रतिशत कार्बोहाइड्रेट और 17 प्रतिशत रेशा है। इसकी खेती वर्षा आधारित है और प्रति हेक्टेयर 12..13 क्विंटल इसकी पैदावार हो जाती है। किसानों को इसकी खेती से प्रति एकड़ 25 हजार रुपए का लाभ होता है। खेसारी का साग गांवों में बेहद लोकप्रिय रहा था। इसके पौधे के अगले कोमल हिस्से को तोड़ने के बाद बहुत तेजी से पौधे का विकास होता है। पिछले रबी मौसम के दौरान बिहार के पटना, लखीसराय और गया जिले में 214 एकड़ में खेसारी की खेती की गई थी। इस बार इन जिलों के अलावा अन्य जिलों में भी खेसारी की खेती को बढ़ावा देने की योजना है। अन्य जिलों में भी खेसारी की खेती को बढ़ावा देने की योजना है। दशकों पहले जब खेसारी की खेती पर प्रतिबंध नहीं था तो महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ में इसकी खेती की जाती थी। गांवो में खेसारी को गरीबों का दाल कहा जाता था क्योंकि इसका मूल्य अन्य दालों की तुलना में कम होता था।

भारतीय पक्षों के साथ भागीदारी जारी रखने को लेकर हमारा नजिरया सकारात्मकः हुआवेई

नई दिल्ली। चीन की दूरसंचार उपकरण बनाने वाली कंपनी हुआवेई टेक्नोलॉजीज ने बुधवार को कहा कि वह भारत में पिछले 20 साल से काम कर रही है तथा इस भागीदारी को आगे और भी मजबूत बनाने को लेकर उसका नजिरया पूरी तरह सकारात्मक है। बोस्टन कंसल्टिंग ग्रुप की एक सूची में दुनिया की छठी सर्वाधिक नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी कंपनी हुआवेई ने यह भी कहा कि वह देश में नवप्रवर्तन के लिए भारतीय इकाइयों के साथ गठजोड़ करती रही है। हुआवेई इंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डेविड ली ने कहा, ''हुआवेई 20 साल से भारत की डिजिटल यात्रा में भागीदार है और हमने भारत में और भारत के लिये नवप्रवर्तन करने को लेकर स्थानीय इकाइयों के साथ गठजोड़ किया है। उन्होंने कहा, ''हमारा नजरिया भारत केडिजिटल और आर्थिक डिजिटल और आर्थिक डिजिटल और आर्थिक लक्ष्यों को हासिल करने के लिये इस भागीदारी को आगे और भी मजबूत बनाने को लेकर पूरी तरह सकारात्मक है।

एक्साइड लाइफ को 2020-21 में पिछले वित्त वर्ष के प्रदर्शन को दोहराने की उम्मीद

EXIDE Life Insurance

नयी दिल्ली (एजेंसी)।

कोरोना वायरस महामारी की वजह से पैदा हुई चुनौतियों के बावजूद एक्साइड लाइफ इंश्योरेंस कंपनी को उम्मीद है कि वह चालू वित्त वर्ष 2020-21 में पिछले वित्त वर्ष 2019-20 के कारोबारी प्रदर्शन को दोहरा पाएगा। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने कहा कि हम ग्राहकों को कायम रखने और दावों के तेजी से निपटान पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। एक्साइड लाइफ इंश्योरेंस के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) क्षितिज जैन ने पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में कहा, ''इस महामारी की वजह से लागू लॉकडाउन से पहले उद्योग चालू वित्त वर्ष में 15 से 20 प्रतिशत वृद्धि की उम्मीद कर रहा था। हमारा अनुमान था कि हम उद्योग से दोगुनी रफ्तार से बढ़ेंगे।'' जैन ने कहा, ''हमारा लक्ष्य 2020-21 में कम से कम 30 प्रतिशत की वृद्धि हासिल करने का था। लेकिन कोरोना वायरस महामारी ने सब बदल दिया। अभी पूरे वित्त के लिए अनुमान लगाना मुश्किल है। मैं सिर्फ यही कहूंगा कि यदि हम कुछ वृद्धि हासिल नहीं करते हैं, तो कम से कम पिछले साल के प्रदर्शन को दोहरा पाएंगे। यानी हमारी वृद्धि स्थिर रहेगी।'' हालांकि, कंपनी ने कहा कि आंतरिक अनुपालन तथा मौजूदा कानूनी जरूरतों के मद्देनजर वह पिछले वित्त वर्ष के वृद्धि के आंकड़ों को साझा नहीं कर पाएगी।

जैन ने कहा कि अभी हमारा ध्यान नए ग्राहक जोड़ने पर नहीं, बल्कि पुराने ग्राहकों को जोड़े रखने और उन्हें संतुष्ट करने पर है।

गेल का शुद्ध लाभ चौथी तिमाही में 170 प्रतिशत उछला

नई दिल्ली (एजेंसी)।

सार्वजनिक क्षेत्र की गैस कंपनी गेल इंडिया लि. का शुद्ध लाभ मार्च, 2020 को समाप्त तिमाही में 169 प्रतिशत उछलकर 3,018.20 करोड़ रुपए रहा। गेल के चेयरमैन और प्रबंध निदेशक मनोज जैन ने कहा कि इससे पूर्व वित्त वर्ष 2018-19 की चौथी तिमाही में कंपनी को 1,122.23 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था। प्रति शेयर कमाई के लिहाज से कंपनी का लाभ 2019-20 की चौथी तिमाही में प्रति शेयर 6.69 रुपए रहा जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 2.49 रुपए प्रति शेयर था। जैन ने कहा कि कंपनी ने सरकार की ओर से पेश की गई कंपनी कर की न्यूनतम दर का विकल्प चुना है। यानी छूट को छोड़ने का निर्णय किया है। उन्होंने कहा कि अप्रैल में औद्योगिक गतिविधियां ठप होने से प्राकृतिक गैस की मांग में 30 प्रतिशत तक की कमी आई। जैन ने कहा कि पाबंदिया हटने के बाद मांग सामान्य स्तर के करीब पहुंच गयी हैं। सीएनजी को छोड़कर हम सामान्य स्तर के करीब हैं। सीएनजी की बिक्री कोविड-19 के पहले के स्तर पर पहुंचने में दो महीने का समय लगने की संभावना है। इसका कारण सड़कों पर गाड़ियों का कम चलना है। उन्होंने कहा कि कंपनी को चालू वित्त वर्ष में 4,000 से 5,000 करोड़ रुपए के पूंजी व्यय की योजना बनी रहने की उम्मीद है। कोविड-19 संकट को देखते हुए पूंजी व्यय की समीक्षा नहीं की गई है। पाइपलाइन बिछाने से जुड़ी परियोजनाओं पर खर्च पहले से निर्धारित है। वित्त वर्ष 2019-20 में कंपनी का पूंजी व्यय 6,114 करोड़ रुपए था। पूरे वित्त वर्ष 2019-20 में कंपनी का शुद्ध लाभ 10 प्रतिशत बढ़कर 6,621 करोड़ रुपए रहा। कंपनी का कारोबार पूरे वित्त वर्ष 71,730 करोड़ रुपए रहा कंपनी का कारोबार पूरे वित्त वर्ष 71,730 करोड़ रुपए रहा जो एक साल पहले 74,808 करोड़ रुपए था। उन्होंने कहा, ''शुद्ध लाभ में वृद्धि का प्रमुख कारण कम कर की दर की व्यवस्था को अपनाना है।

फेडरल बैंक 80 करोड़ रुपये में खरीदेगा जीवन बीमा संयुक्त उद्यम में चार प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी

मुंबई (एजेंसी)।

दक्षिण भारत का फेडरल बैंक जीवन बीमा संयुक्त उद्यम आईडीबीआई फेडरल लाइफ इंश्योरेंस में 80 करोड़ रुपये में चार प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीदेगा। फेडरल बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) श्याम श्रीनिवासन ने पीटीआई-भाषा से कहा कि हम सार्वजनिक क्षेत्र के आईडीबीआई बैंक से संयुक्त उद्यम में चार प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेंगे। इससे 12 साल पुरानी कंपनी में हमारी हिस्सेदारी बढ़कर 30 प्रतिशत हो जाएगी। उन्होंने कहा कि नियमनों के तहत यह उसके लिए अधिकतम हिस्सेदारी की सीमा है। उन्होंने कहा कि आईडीबीआई बैंक कंपनी में अपनी 48 प्रतिशत हिस्सेदारी को घटाकर 21 प्रतिशत पर लाएगा। इसके लिए वह 27 प्रतिशत हिस्सेदारी बेचेगा। हालांकि, श्रीनिवासन ने इसके लिए कोई समयसीमा नहीं बताई। फेडरल बैंक जहां कंपनी में चार प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगा। वहीं उनकी नीदरलैंड की भागीदार एजिस इंश्योरेंस इंटरनेशनल एनवी 23 प्रतिशत हिस्सेदारी का अधिग्रहण करेगी।

इससे संयुक्त उद्यम में उसकी हिस्सेदारी बढ़कर 49 प्रतिशत हो जाएगी। किसी विदेशी भागीदार के लिए यह जीवन बीमा उद्यम में अधिकतम हिस्सेदारी की सीमा है। किसी विदेशी भागीदार के लिए यह जीवन बीमा उद्यम में किसी विदेशी भागीदार के लिए यह जीवन बीमा उद्यम में अधिकतम हिस्सेदारी की सीमा है।

लॉकडाउन ने तोड़ी तेल कंपनियों की कमर, आईओसी को 51.85 अरब रुपए का घाटा

नई दिल्ली (एजेंसी)।

देश की शीर्ष तेल कंपनी इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन को 2019-20 की मार्च तिमाही में 51.85 अरब रुपए का शुद्ध घाटा हुआ है। कंपनी को 2018-19 की समान तिमाही में 60.99 अरब रुपए का शुद्ध लाभ हुआ था। कंपनी ने बुधवार को एक बयान में कहा, लॉकडाउन के दौरान तेल नहीं बिकने के कारण उसे भारी नुकसान हुआ है। इस दौरान उसकी आय सालाना आधार पर 3.35 फीसदी कम होकर 1,42,371.85 करोड़ रुपए रही। इसके अलावा, कंपनी की परिचालन से प्राप्त आय 2.7 फीसदी घटकर 1.4 लाख करोड़ रुपए रही। रेटिंग एजेंसी एसएंडपी ग्लोबल ने कहा कि अगर भारतीय कंपनियों की आय में 18 महीने तक सुधार नहीं हुआ तो उनकी रेटिंग और घट सकती है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के साख विश्लेषक नील गोपालकृष्णन ने कहा, भारतीय कंपनियों की 35 फीसदी क्रेडिट रेटिंग्स का परिदृश्य नकारात्मक है या वह नकारात्मक प्रभाव के साथ 'निगरानी' में है। ऐसी 7 में से 2 कंपनियों की रेटिंग अव्यवहार्य ग्रेड श्रेणी में है। इनकी कमाई पर अधिक उतार-चढ़ाव रहने की आशंका है। इंडिया रेटिंग्स का अनुमान है कि भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 2020-21 में 5.3 फीसदी घटेगा। जीडीपी में गिरावट का यह छठा अवसर होगा और देश के इतिहास में इसकी वृद्धि दर सबसे कम होगी। रेटिंग एजेंसी ने बुधवार को कहा, कोविड-19 के कारण उत्पादन की रफ्तार और स्तर पर अधिक प्रभाव पड़ा है। आपूर्ति और व्यापार श्रृंखला टूट

गई है। इस कारण पूरे वित्त वर्ष के दौरान प्रत्येक तिमाही में भी जीडीपी नीचे आएगी। हालांकि, 2021-22 में अर्थव्यवस्था पटरी पर लौटेगी और 5-6 फीसदी की वृद्धि दर्ज करेगी। इससे पहले 1957-58, 1965-66, 1966-67, 1972-73 और 1979-80 में जीडीपी में गिरावट आई थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारत की युवा खिलाड़ी वैशाली ने पूर्व विश्व चैंपियन स्टेफनोवा को हराया

चेन्नई । युवा भारतीय ग्रैंडमास्टर आर वैशाली ने फिडे चेस.कॉम महिला स्पीड शतरंज चैंपियनशिप के पहले चरण में पूर्व विश्व चैंपियन एंटोनेता स्टेफनोवा को हराकर उलटफेर किया लेकिन शीर्ष खिलाड़ी कोनेरू हंपी को हार का सामना करना पड़ा। चेन्नई की रहने वाली वैशाली क्वार्टर फाइनल में मंगोलिया की अंतरराष्ट्रीय मास्टर मुनखजुल तुरमुंख का सामना करेंगी। वैशाली ने बुल्गारिया की अपनी प्रतिद्वंद्वी के खिलाफ 6-5 से जीत दर्ज की। इससे पहले उन्होंने क्वालीफाईंग चरण में वेलेंटिना गुनिना और एलिना काशलिनस्काया जैसी मजबूत खिलाड़ियों को हराया था। लेकिन मौजूदा विश्व रैपिड चैंपियन हंपी को पहले चरण में वियतनाम की अपनी प्रतिद्वंद्वी ली थाओ नगुएन फाम से 4.5 - 5.5 से हार का सामना करना पड़ा। वैशाली ने स्टेफनोवा पर जीत पर खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, ''पूर्व विश्व चैंपियन का सामना करना और उसमें जीत दर्ज करना शानदार अनुभव रहा। पहले घंटे के बाद मैं 5.5-2.5 से बढ़त पर थी लेकिन इंटरनेट कनेक्शन गड़बड़ा जाने से मैंने कुछ समय गंवाया जिससे मुझे नुकसान हुआ।

डोप आरोप मुक्त संजीता चानू को अंततः 2018 के लिए अर्जुन पुरस्कार मिलेगा

नयी दिल्ली (एजेंसी) ।

डोप के दाग से मुक्त राष्ट्रमंडल खेलों की दो बार की स्वर्ण पदक विजेता भारोत्तोलक संजीता चानू को अंततः प्रतिष्ठित अर्जुन पुरस्कार मिलेगा जो 2018 से रुका हुआ है। खेल मंत्रालय के सूत्रों ने पुष्टि की है कि चानू को 2018 के दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश के अनुसार अर्जुन पुरस्कार मिलेगा। उच्च न्यायालय ने चयन समिति को चानू के नाम पर विचार करने को कहा था और अपने फैसले को सीलबंद लिफाफे में रखने को कहा था जिसे चानू के डोपिंग के आरोपों से मुक्त होने की स्थिति में ही खोला जाना था। मंत्रालय के सूत्र ने पीटीआई से कहा, ''संजीता (चानू) को अंतरराष्ट्रीय महासंघ ने डोपिंग के सभी आरोपों से मुक्त कर दिया है इसलिए हमें दिल्ली उच्च न्यायालय के आदेश का पालन करना होगा और अर्जुन पुरस्कार के लिए उसके नाम पर विचार करना होगा।'' अर्जुन पुरस्कार के लिए 2017 में अनदेखी के बाद चानू ने दिल्ली उच्च न्यायालय में रिट याचिका दायर करके इस प्रतिष्ठित पुरस्कार की सूची से उनके नाम की अनदेखी के फैसले को चुनौती दी थी।

भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के महासचिव ने भी पीटीआई को पुष्टि की है कि चानू को अर्जुन पुरस्कार मिला है। अधिक जानकारी दिए बिना उन्होंने कहा, ''इसकी पुष्टि हो चुकी है, भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के महासचिव ने भी पीटीआई को पुष्टि की है कि चानू को अर्जुन पुरस्कार मिला है। अधिक जानकारी दिए बिना उन्होंने कहा, ''इसकी पुष्टि हो चुकी है, संजीता को 2018 का अर्जुन पुरस्कार मिलेगा। छब्बीस साल की चानू ने 2014 और 2018 में लगातार दो राष्ट्रमंडल खेलों में क्रमशः 48 और 53 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीते थे। चानू ने 2016 और 2017 में अर्जुन पुरस्कार के लिए आवेदन किया था लेकिन दोनों मौकों पर उनकी अनदेखी की गई।

रीयाल मैड्रिड ने मालोर्का को 2-0 से हराया, बार्सिलोना को पीछे छोड़ा

मैड्रिड (एजेंसी)।

सर्जियो रामोस के फ्रीकिक पर किए गए बेहतरीन गोल की मदद से रीयाल मैड्रिड ने रीयाल मालोर्का को 2-0 से हराकर स्पेनिश फुटबाल लीग ला लिगा में बार्सिलोना के साथ शीर्ष पर पहुंचने की रोमांचक होड़ में खुद को फिर से आगे कर दिया। अल्फ्रेडो डि स्टेफनो स्टेडियम में खेले गये इस मैच में जीत से रीयाल मैड्रिड के भी बार्सिलोना के समान 31 मैचों में 68 अंक है लेकिन गोल अंतर बेहतर होने के कारण वह शीर्ष पर पहुंच गया है। मालोर्का तालिका में 18वें स्थान पर बना हुआ है। उन्नीस साल के विनिसियस जूनियर ने 19वें मिनट में गोल करके मैड्रिड को बढ़त दिलाई लेकिन वह रामोस थे जिन्होंने 56वें मिनट में फ्री किक पर खूबसूरत गोल किया। इस डिफेंडर का यह सत्र में आठवां गोल है। इस मैच के एक नया रिकार्ड भी बना।

मालोर्का की तरफ से 15 साल 219 दिन के लुका रोमेरो मैदान पर उतरे और इस तरह से वह ला लिगा में खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बन गए।

हाकी इंडिया ने टूर्नामेंट अधिकारियों और अंपायरों के मूल्यांकन मानदंडों में संशोधन किया

नयी दिल्ली । हाकी इंडिया ने टूर्नामेंट के अधिकारियों और अंपायरों के मूल्यांकन मानदंडों में संशोधन किये हैं जो अधिकारियों की प्रदर्शन रिपोर्ट ढांचे में बदलाव का हिस्सा है। यह रिपोर्ट घरेलू टूर्नामेंट में टूर्नामेंट अधिकारियों और अंपायरों के कार्यों के आकलन करने का सबसे कारगर तरीका है। हाकी इंडिया ने मई में हाकी इंडिया के पंजीकृत टूर्नामेंट अधिकारियों का वर्गीकरण करने की शुरुआत की घोषणा की थी जिसमें तकनीकी प्रतिनिधि, अंपायर मैनेजर, तकनीकी अधिकारी, जज और अंपायरों के तीन ग्रेड शामिल थे। ग्रेडिंग 100 (प्रतिशत के आधार पर) में से की जाएगी जिसमें अंपायरों की प्रदर्शन रिपोर्ट (सभी घरेलू टूर्नामेंटों), फिटनेस परीक्षण परिणाम और ऑनलाइन परीक्षा परिणाम पर मुख्य रूप से ध्यान दिया जाएगा जबकि अन्य अधिकारियों के लिये सभी घरेलू टूर्नामेंटों की प्रदर्शन रिपोर्ट और ऑनलाइन परीक्षा के परिणाम पर आधारित होगी। अंपायरों का प्रदर्शन का आकलन अब प्रत्येक मैच में किया जाएगा तथा अंपायर मैनेजर संबंधित मैचों के पूरे होने के बाद उनके प्रदर्शन की रिपोर्ट अंपायरों और हाकी इंडिया को सौंपेंगे।

अपने बयान से पलटे श्रीलंका के पूर्व खेल मंत्री, बोले- फाइनल फिक्स होने का केवल शक था

कोलंबो (एजेंसी)।

श्रीलंका के कई पक्षों के 2011 विश्व कप फाइनल भारत को 'बेचने का दावा करने वाले देश के पूर्व खेल मंत्री महिंदानंदा अलुथगामगे ने अब अपने इस दावे को 'संदेह करार दिया है जिसकी वह जांच चाहते हैं। श्रीलंका सरकार ने इस मामले की जांच के आदेश दिए हैं और पुलिस की विशेष जांच इकाई ने बुधवार को अलुथगामगे का बयान दर्ज किया। उन्होंने पुलिस टीम से कहा कि उन्हें सिर्फ फिक्सिंग का संदेह है। अलुथगामगे ने संवाददाताओं से कहा, 'मैं सिर्फ इतना चाहता हूं कि मेरे संदेह की जांच हो। उन्होंने कहा, 'मैंने पुलिस को उस शिकायत की प्रति दी है जो मैंने तत्कालीन खेल मंत्री के रूप में आरोपों के संदर्भ में 30 अक्टूबर 2011 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) को दर्ज कराई थी। अलुथगामगे ने आरोप लगाया था कि उनके देश में मैच भारत को 'बेच दिया था। उनके इस दावे को पूर्व कप्तानों कुमार संगकारा और महेला जयवर्धने ने बकवास करार देते हुए उनसे सबूत मांगे थे। भारत ने 275 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए गौतम गंभीर (97) और तत्कालीन कप्तान महेंद्र सिंह धोनी (91) की पारियों की बदौलत जीत दर्ज की थी। उस समय देश के खेल मंत्री रहे अलुथगामगे ने कहा था, 'आज मैं आपसे कह रहा हूं कि हमने 2011 विश्व कप बेच दिया था, मैंने यह तब कहा

था जब मैं खेल मंत्री था। उस समय श्रीलंका के कप्तान संगकारा ने भ्रष्टाचार रोधी जांच के लिए सबूत मुहैया कराने को कहा था। संगकारा ने ट्वीट किया, 'उन्हें अपने 'साक्ष्य आईसीसी और भ्रष्टाचार रोधी एवं सुरक्षा इकाई के पास लेकर जाने की जरूरत है जिससे कि दावे की विस्तृत जांच हो सके। उस मैच में शतक जड़ने वाले पूर्व कप्तान जयवर्धने ने हालांकि इन आरोपों को बकवास करार दिया था। उन्होंने ट्वीट में पूछा, 'क्या चुनाव होने वाले हैं?.... जो सर्कस शुरू हुआ है वह पसंद आया... नाम और सबूत?

संक्षिप्त समाचार

लॉकडाउन : कार से सब्जी लेने गए थे पूर्व क्रिकेटर रॉबिन सिंह, लगा 500 रुपए जुर्माना

चेन्नई । भारत के पूर्व क्रिकेटर रॉबिन सिंह पर लॉकडाउन नियमों के कथित उल्लंघन के मामले में 500 रुपए जुर्माना लगाया गया है और उनकी कार जब्त कर ली गई है। तमिलनाडु का यह पूर्व क्रिकेटर कार से सब्जी लेने गया था और उसे पुलिस ने पकड़ लिया। पुलिस सूत्रों ने बताया कि उन पर 500 रुपए जुर्माना लगाया गया है। कोरोना वायरस महामारी के फैलाव के कारण चेन्नई और आसपास के तीन जिलों में कड़ा लॉकडाउन 30 जून तक बढ़ा दिया गया है। इसके तहत लोग जरूरी के लिए घर के आसपास 2 किलोमीटर के भीतर ही जा सकते हैं और वाहन का इस्तेमाल नहीं कर सकते।

रन टू द मून में हिस्सा लेंगे 15 देशों के 14 हजार से अधिक धावक

मुंबई । कोविड-19 महामारी के कारण लगे लॉकडाउन से प्रभावित विभिन्न खेलों के कोचों और सहयोगी स्टाफ के लिये धन जुटाने के तहत एक महीने तक चलने वाली 'रन टू द मून' में 15 देशों के 14,000 धावक हिस्सा लेंगे। इसके आयोजकों ने गुरूवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद, अर्जुन पुरस्कार हासिल कर चुकी अश्विनी नाचप्पा और मलाथी होला के समर्थन वाली 'रन टू द मून' 21 जुलाई को चंद्रमा पर मनुष्य के पहले कदम रखने की 51वीं वर्षगांठ के साथ खत्म होगी। दुनिया के विभिन्न हिस्सों में एक साथ होने वाली इस दौड़ में प्रतिभागियों का लक्ष्य मिलाकर 3,84,400 किलोमीटर की दूरी तय करना होगा जो पृथ्वी से चंद्रमा के बीच की दूरी है।

15 साल 219 दिन के लुका रोमेरो लीग में खेलने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने

नई दिल्ली । रियाल मैलोर्का के फॉरवर्ड लुका रोमेरो ला लिगा में डेब्यू करने वाले सबसे युवा खिलाड़ी बने। 15 साल 219 दिन के रोमेरो ने रियाल मैड्रिड के खिलाफ मैच में उतरकर यह उपलब्धि हासिल की। इससे पहले, सेल्टा विगो के फ्रांसिस्को बाओ लीग के सबसे युवा खिलाड़ी थे। उन्होंने 1939 में 15 साल 255 दिन में सेविला के खिलाफ डेब्यू किया था। रोमेरो को रियाल मैड्रिड के खिलाफ बुधवार को हुए मैच के 83वें मिनट में बतौर सब्सिट्यूट मैदान पर उतारा गया। हालांकि, उनकी टीम 2-0 से मैच हार गई। इससे पहले,16 जून को उन्हें विलारियाल के खिलाफ मैच में भी टीम में शामिल किया गया था। लेकिन मैदान पर उतरने का मौका नहीं मिला। रोमेरो अर्जेंटीना के लोअर लीग प्लेयर डिएगो रोमेरो के बेटे हैं। उनका जन्म मैक्सिको में हुआ है। हालांकि, यूथ लेवल में वे अर्जेंटीना के लिए खेलते हैं। वे 10 साल की उम्र से ही मैलोर्का की एकेडमी में ट्रेनिंग कर रहे हैं। शानदार ड्रिबलिंग स्किल की वजह से रोमेरा की तुलना बार्सिलोना के स्ट्राइकर लियोनल मेसी से होती है। उन्हें मैक्सिकन मेसी भी कहा जाता है।

आईपीएल में 8 करोड़ में बिका यह क्रिकेटर हो गया अपनी घरेलू टीम से बाहर

मेलबर्न (एजेंसी) ।

आईपीएल 2020 की बोली में रिकॉर्ड 8.5 करोड़ रुपए में बिकने वाले आस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज नाथन कूल्टर नाइल अपनी घरेलू टीम से बाहर हो गए हैं। नाइल को बीते दिनों वेस्टर्न आस्ट्रेलिया की अनुबंधित सूची से बाहर कर दिया गया था। अब वह नए राज्य की टीम ढूंढ रहे हैं। 32 साल के कुल्टर ने पिछले साल मार्श कप में 17 विकेट चटकाकर वेस्टर्न आस्ट्रेलिया को छह साल में तीसरा खिताब दिलाने में मदद की। आस्ट्रेलिया के लिए सीमित ओवर के क्रिकेट में 86 विकेट चटकाने वाले कूल्टर नाइल ने 'क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू' से कहा- मैं अब वेस्टर्न आस्ट्रेलिया का सामना करना चाहूंगा। मैं निश्चित रूप से इसके लिए तैयार हूं। उन्होंने कहा- मैं जानता हूं कि खिलाडियों का इस फैसले से कोई लेना देना नहीं है और कुछेक ने खुले तौर पर कहा है कि वे इससे निराश हैं लेकिन कोई बात नहीं मैं यह फैसला करने वालों को गलत साबित करूंगा, मैं निश्चित रूप से यह मौका हासिल करूंगा। कूल्टर नाइल ने कहा कि उन्हें अपनी गेंदबाजी पर पूरा भरोसा है और मार्श कप से पहले जो भी मौका मिलेगा, वह इसे ले लेंगे। इस तेज गेंदबाज ने 2009 में पदार्पण के बाद से वेस्टर्न आस्ट्रेलिया के लिए 39 वनडे मैचों में 82 विकेट चटकाए हैं।

उन्होंने कहा- मैं खेलना चाहता हूं। मैं पिछले साल सबसे ज्यादा विकेट चटकाने वाला गेंदबाज था, मुझे लगता है कि मैं अच्छी गेंदबाजी कर रहा हूं। मुझे लगता है कि मैं अब भी काफी कुछ दे सकता हूं। बता दें कि आईपीएल 2020 की बोली में कूल्टर ने सबको हैरान कर दिया था। तेज गेंदबाज के लिए चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस ने बोली लगाई थी जोकि आठ करोड़ रुपए पर रुकी थी।

मैच फिक्सिंग रोकने के लिए भारत में इसे अपराध घोषित करना जरूरी

नई दिल्ली । इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) के एंटी करप्शन यूनिट (एसीयू) के कोऑर्डिनेटर स्टीव रिचर्डसन का मानना है कि भारत में मैच फिक्सिंग को अपराध घोषित करने पर ही इस पर लगाम लगाई जा सकेगी। उन्होंने कहा कि देश में कड़ा कानून नहीं होने की वजह से क्रिकेट में करप्शन की जांच करते वक्त अधिकारियों के हाथ बंधे रहते हैं। रिचर्डसन ने ईसपीएन क्रिकइंफो से कहा, ''फिलहाल इसको लेकर कोई कानून नहीं है। इसके बावजूद हम भारतीय पुलिस के साथ मिलकर मैच फिक्सिंग रोकने के लिए काम कर रहे हैं। आईसीसी के पास भी मैच फिक्सिंग रोकने के लिए सीमित संसाधन है, जिसका फायदा फिक्सिंग में शामिल लोग उठाते हैं।'' इस एसीयू अधिकारी ने कहा, ''भारत में कानून बनने से हालात बदल जाएंगे। अभी हम फिक्सिंग से जुड़े 50 मामलों की जांच कर रहे हैं और इनमें से अधिकतर भारत से जुड़े हुए हैं।'' दक्षिण एशिया में केवल श्रीलंका ऐसा देश है, जिसने 2019 में मैच फिक्सिंग को कानूनन अपराध घोषित किया था। यहां दोषी पाए जाने पर 10 साल की सजा हो सकती है। उन्होंने कहा,''भारत में 2021 से 2023 के बीच टी-20 और वनडे वर्ल्ड कप जैसे दो बड़े टूर्नामेंट होने हैं। इस पर सट्टेबाजों की नजर होगी। ऐसे में अगर भारत मैच फिक्सिंग को लेकर कानून बनाता है, तो खेल को सुरक्षित रखने के इरादे से यह असरदार साबित होगा।'अभी भी फिक्सर खिलाड़ियों से सम्पर्क साधने की कोशिश कर रहे।

बीसीसीआई के पास विश्व कप विजेता टीम को देने के लिए नहीं थे पैसे, ऐसे किया जुगाड़

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेटर भले ही आज करोड़ों में खेलते हैं लेकिन जब टीम इंडिया ने पहली बार 1983 में विश्वकप जीता था तो उन्हें प्रोत्साहन राशि देने के लिए बीसीसीआई के पास पैसे नहीं थे। भारत ने 25 जून 1983 को शक्तिशाली वेस्ट इंडीज को ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान में हराकर पहली बार विश्व चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया था। अब इसको 37 साल हो चुके हैं। इसी बीच 1983 के बीसीसीआई अध्यक्ष एन के पी साल्वे ने एक दिलचस्प खुलासा किया है। उन्होंने कहा- विश्व कप जीतने के बाद टीम के सीनियर सदस्य सुनील गावस्कर उनके पास आए। बोले- हमारी पुरस्कार राशि कहां है। बकौल साल्वे उन दिनों बोर्ड के पास बिल्कुल पैसा नहीं हुआ करता था। मैंने कहा- टीम को दो लाख रुपए देने का प्रयास करेंगे। इस पर गावस्कर का जवाब आया- सर हम टिप नहीं मांग रहे हैं। साल्वे बोले- मैंने फिर राशि तीन लाख कर दी। गावस्कर बोले- दो और तीन में क्या फर्क है, अच्छा होगा कि आप ये भी न दें। मैं फिर पांच और सात लाख तक पहुंच गया, लेकिन खिलाड़ी तैयार नहीं हुए। तब आईएस बिंद्रा ने सुझाव दिया कि दिल्ली में एक कार्यक्रम कराकर उसकी कमाई से एक-एक लाख रुपए प्रत्येक खिलाड़ी को दिए जाएं, लेकिन जल्द ही हमें एहसास हो गया कि इस कार्यक्रम से कुछ मिलने वाला नहीं है। तत्कालीन बोर्ड अध्यक्ष ने कहा- तब बिंद्रा का अगला सुझाव आया कि लता मंगेशकर कंसर्ट कराकर धन जुटाया जाए। मैं लता जी के पास गया और उन्हें मना लिया। कंसर्ट से 20 लाख रुपए जुटे। जिससे प्रत्येक भारतीय प्लेयर को 1-1 लाख रुपए दिए गए। लता जी ने इस कंसर्ट के लिए पैसे नहीं लिए थे। बकौल सल्वे- उस वक्त टीम इंडिया बड़ी जोशीली थी। अगर मैं पुरुसकार राशि न बढ़ाता तो यह खिलाड़ी तो मेरी पिटाई ही कर देते। ये आज बड़े संभ्रात दिखाई दे रहे हैं, लेकिन उस समय ये सभी युवा थे जबकि मैं तब भी बूढ़ा था और अब भी बूढ़ा हूं।

खिलाड़ियों के वीजा की गारंटी ले बीसीसीआई भारतीय बोर्ड का जवाब- पहले पीसीबी आतंकी हमले न होने की गारंटी दे

बेलग्राद (एजेंसी)।

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) से 2021 और 2023 में भारत में होने वाले टी-20 और वनडे वर्ल्ड कप में पाकिस्तानी खिलाड़ियों के वीजा की गारंटी लेने के लिए कहा है। जवाब में बीसीसीआई ने भी पीसीबी से आतंकी हमला न होने की गारंटी देने की बात कही है। न्यूज एजेंसी से बात करते हुए बीसीसीआई ऑफिशियल ने कहा कि आईसीसी के नियम साफ तौर पर कहते हैं कि खेल में कोई सरकारी दखलअंदाजी नहीं होनी चाहिए। यही बात क्रिकेट बोर्ड पर भी लागू होती। ऐसे में उन्हें भी सरकार के कामकाज में दखल नहीं देना चाहिए। बोर्ड ऑफिशियल ने पीसीबी से पूछा है कि वीजा मांगने से पहले क्या वो यह गारंटी दे सकते हैं कि पाकिस्तान सरकार सीमा पार से घुसपैठ नहीं होने देगी और सीजफायर का उल्लंघन भी नहीं होगा। क्या पीसीबी इस बात की गारंटी देगा कि दूसरा पुलवामा नहीं होगा? उन्होंने आगे कहा कि समय आ गया है कि पीसीबी इस बात को समझे और भारत के खिलाफ साजिश रचना बंद करे। पीसीबी आईसीसी में भारत के खिलाफ एक एजेंट की तरह काम कर रहा है। मैं बस इतना कहना चाहूंगा कि भारत अद्भुत देश है और संयमित और संतुलित तरीके से काम करता है। पीसीबी के चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर वसीम खान ने यू-ट्यूब चैनल को दिए इंटरव्यू में कहा था कि भारत में 2021 और 2023 में आईसीसी वर्ल्ड कप होना है। हमने पहले ही आईसीसी से कहा है कि हमें बीसीसीआई से लिखित आश्वासन दिलाए कि भारत से वीजा हासिल करने में किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। उन्होंने आरोप लगाया कि हाल के दिनों में भारत सरकार ने मल्टी स्पोर्ट्स इवेंट में शामिल होने के लिए पाकिस्तानी टीमों को वीजा नहीं दिया था। इसलिए हमने बीसीसीआई से एडवांस में आश्वासन मांगा है। हालांकि, खान के दावे में दम नहीं नजर आ रहा है। क्योंकि भारत सरकार पिछले साल जून में ही मल्टी-नेशन स्पोर्टिंग इवेंट में हिस्सा लाने वाले खिलाड़ियों के वीजा विवाद को सुलझा चुकी है। इस मामले में तब केंद्रीय खेल सचिव राधेश्याम जुलानिया ने भारतीय ओलिंपिक संघ के अध्यक्ष नरेंदर बत्रा को चिठ्ठी लिखकर सहयोग देने को कहा था।

जोकोविच के पिता ने अपने बेटे का किया बचाव, अन्य खिलाड़ी को दोषी ठहराया

बेलग्राद। नोवाक जोकोविच के पिता ने बुधवार को अपने बेटे का बचाव किया और दुनिया के इस नंबर एक खिलाड़ी की मेजबानी में हुई प्रदर्शनी मैचों की श्रृंखला के दौरान कोरोना वायरस फैलने के लिए एक अन्य टेनिस खिलाड़ी को जिम्मेदार ठहराया। जोकोविच और उनकी पत्नी मंगलवार को पॉजिटिव पाए गए। सत्रह बार के ग्रैंडस्लैम विजेता ने इसके बाद एड्रिया टूर इवेंट्स के आयोजन के लिए आनलाइन माफी मांगी। इस टूर के अंतर्गत विभिन्न देशों के पेशेवर खिलाड़ियों ने सर्बिया और क्रोएशिया में मुकाबले खेले थे। इन मैचों को स्टेडियम में हजारों दर्शकों ने देखा था और इस दौरान सामाजिक दूरी के नियमों का भी पालन नहीं किया गया था। जोकोविच के बड़बोले पिता ने टूर को रद्द किए जाने के लिए ग्रिगोर दिमित्रोव को जिम्मेदार ठहराया जो पिछले कुछ दिनों में पॉजिटिव पाए गए तीन खिलाड़ियों में से एक हैं। हालांकि इस तरह कोई साक्ष्य नहीं है कि दिमित्रोव से यह वायरस दूसरों को फैला। जोकोविच के पिता सरजान जोकोविच ने आरटीएल क्रोएशिया टीवी से कहा, 'ऐसा क्यों हुआ? क्योंकि संभवतः वह व्यक्ति बीमार होकर आया था, किसे पता कहां

कुछ आदतें ऐसी होती हैं, जो दूसरों के साथ-साथ खुद को भी दुखी करती हैं। उन आदतों को अगर सुधार लें तो जीवन खुशहाल बन सकता है। आइए, जानते हैं वे आदतें कौन सी हैं और उन्हें कैसे सुधार सकते हैं। बता रहे हैं

आदतें बदलें खुशियों को गले लगाएं

लक्ष्य को टालते रहना

अपने लक्ष्य को टालते रहना, उन्हीं आदतों में से एक है। इहबास के मनोवैज्ञानिक ओम प्रकाश के मुताबिक ऐसे लोगों को परिणाम की चिंता नहीं होती, लेकिन जब नतीजा सामने आ जाता है, तो उससे घबराने लगते हैं।

कैसे सुधारें – इस स्थिति से बचने के लिए खुद को लक्ष्य पर केंद्रित रखना चाहिए। लक्ष्य छोटा हो या बड़ा, उसके लिए एक समय सीमा तय करें और उसी अवधि में उसे हासिल करें।

दूसरों को दोष देना और बहाने बनाना

दूसरों को दोष देने की आदत तो आम है। हम में से अधिकांश इस आदत के शिकार हैं। किसी गलती को छुपाने की यह एक मनोवैज्ञानिक आदत है। इससे कुछ समय के लिए तो खतरा टल जाता है, पर बाद में वह और भी बड़ा बनकर सामने आता है। दरअसल, ऐसे लोग अपनी कमियों को देख ही नहीं पाते और इसीलिए उन्हें दूर भी नहीं कर पाते। ऐसे में वे बार-बार उन गलतियों को दोहराते हैं और मजाक का पात्र बन जाते हैं।

कैसे सुधारें – जिम्मेदार बनें और अपनी गलतियों की जिम्मेदारी लें। इससे आपकी जवाबदेही के साथ-साथ कार्यकुशलता भी बढ़ेगी। अपनी की गई गलती से आप बहुत कुछ सीख सकते हैं।

परिवर्तन को स्वीकारते नहीं

कुछ लोग आसानी से परिवर्तन को स्वीकार नहीं करते। उन्हें बात-बात पर खीझ आने लगती है और हर बार को नकारात्मक नजरिये से देखने लगते हैं। ऐसे लोग अपने साथ दूसरों को भी परेशान करते हैं।

कैसे सुधारें – सबसे पहले इस बात को समझें कि परिवर्तन प्रकृति का नियम है। बदलाव छोटी हो या बड़ी, उसमें सहज रहने वाला व्यक्ति ही समझदार माना जाता है। लेकिन उससे लड़ने वाला व्यक्ति खुद को कष्ट पहुंचाता है और आखिर में हार जाता है।

दूसरों की आलोचना

ऑफिस में सहकर्मी का, घर में पड़ोसी का और कॉलेज में अपने दोस्तों की आलोचना कई बार आपको पीड़ा दे जाती है। इससे आपकी विश्वसनीयता पर तो सवाल उठता ही है, कई बार आप विवादों में घिर जाते हैं।

कैसे सुधारें – अच्छे श्रोता बनें। गॉसिप या आलोचना करना एक तरह की कमजोरी है। इससे बाहर निकलने के लिए सबसे अच्छा रास्ता यही है कि आप श्रोता बने रहें। लोगों की बातें सुनें और खुद में सुधार लाएं।

आत्मसम्मान को ताक पर रखना

किसी से हिसाब बराबर करने में कभी-कभी लोग अपने आत्मसम्मान को भी ताक पर रख देते हैं और बाद में पछताते हैं। जीत हासिल करने के लिए या किसी को हराने के लिए खुद को अपनी ही नजरों में दोषी बना लेना जिन्दगी भर का दुख दे जाता है।

कैसे सुधारें – कभी-कभी चीजों को नजरअंदाज कर देना चाहिए। हर बात को अपनी इज्जत का सवाल नहीं बनाना चाहिए।

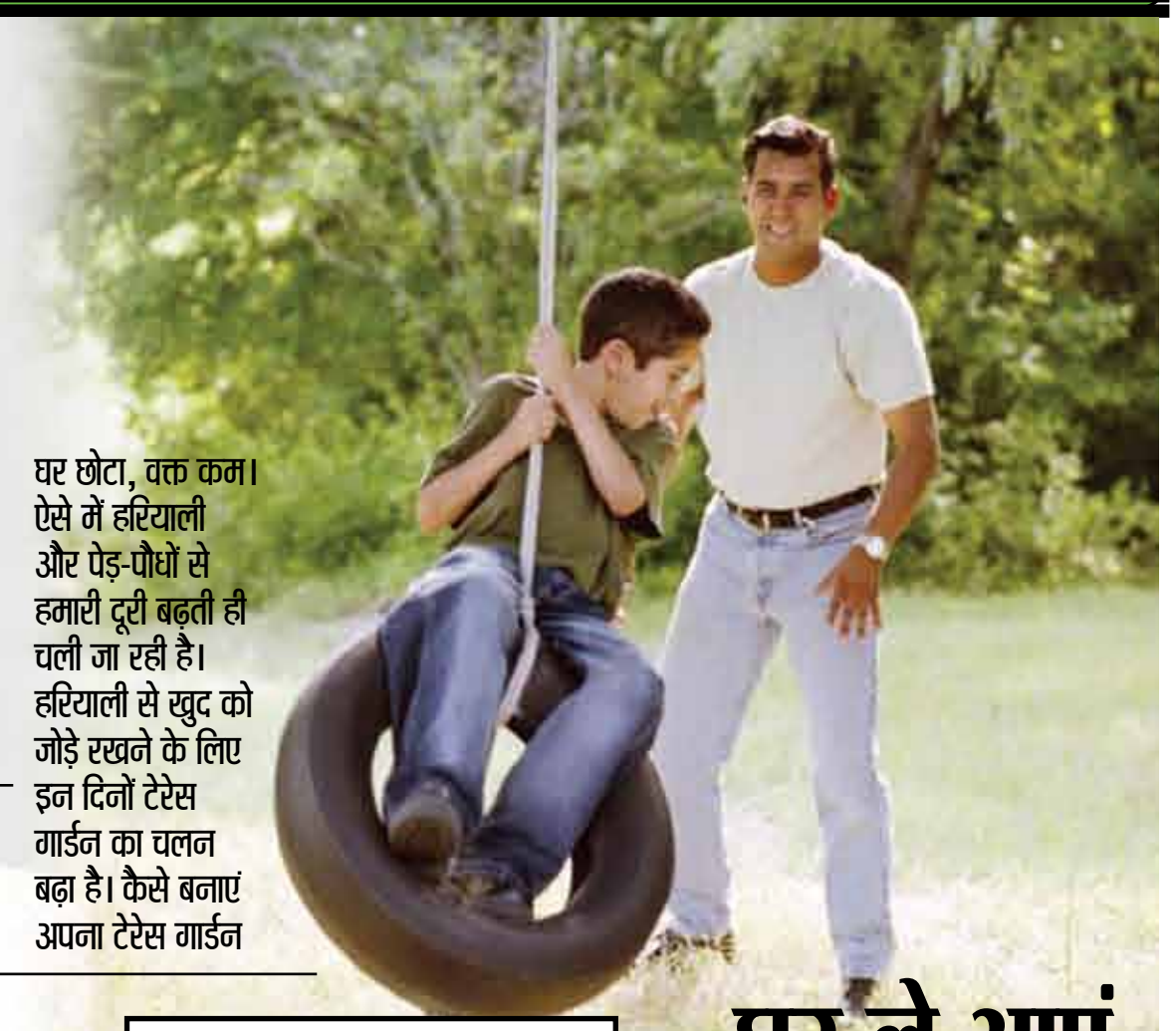

घर छोटा, वक्त कम। ऐसे में हरियाली और पेड़-पौधों से हमारी दूरी बढ़ती ही चली जा रही है। हरियाली से खुद को जोड़े रखने के लिए इन दिनों टेरेस गार्डन का चलन बढ़ा है। कैसे बनाएं अपना टेरेस गार्डन

घर ले आएं हरियाली

मि. एंड मिसेज गुप्ता दोनों ही कामकाजी है। शाम को थके-हारे लौटने पर वह कुछ समय साथ गुजारना पसंद करते हैं। ऐसे में वह थोड़ा खुला वातावरण चाहते हैं जो कि उन्हें रेस्टोरेंट या पार्क में मिलता है। परंतु समय की कमी के कारण वे कहीं आ-जा नहीं पाते हैं। ऐसे लोगों के लिए टेरस गार्डनिंग एक अच्छा उपाय है। चौंकिए मत, सोचिए कि आप दिन भर की थकान के बाद एक प्याला चाय के साथ अगर अपने गार्डन में लुत्फ उठाने का मौका मिल जाए तो क्या बात होगी? इंटीरियर डिजाइनर सोनाली सिंह कहती हैं, टेरेस गार्डनिंग आजकल बहुत प्रचलित है। अपने घर की छत में आप कुछ बदलाव करके इसे हरा-भरा बना सकती हैं। इसकी लागत भी बहुत अधिक नहीं है। आप अगर फ्लैट में रहती हैं और आपकी बालकनी का आकार ठीक-ठाक है, तो वहां भी गमले, छोटा सा टेबल, दो कुर्सी आदि लगा कर बैठने लायक जगह बना सकती हैं। घर का यह कोना आपको निश्चित तौर पर ढेर सारा सुकून देगा। इन चीजों का रखें खास ध्यान

प्लानिंग

सबसे पहले आप प्लान कीजिए कि आप अपनी छत को किस रूप में देखना चाहती हैं। अगर स्पेस और पैसे की समस्या नहीं है, तो आप काफी कुछ सामानों के उपयोग- जैसे रॉक्स, गैजीबो, वॉटर बॉडीज तथा अन्य चीजों का इस्तेमाल कर अपना टेरेस गार्डन खूबसूरत बना सकती हैं।

खाद व कीड़ों-मकौड़ों से बचाव

नियमित रूप से फर्टिलाइजर का उपयोग 15 से 30 दिनों तक करें। हर्बल नीम तेल का इस्तेमाल कीड़े-मकौड़ों भगाने के लिए नियमित रूप से दो-तीन महीने के अंतराल पर करें।

सही पौधों का चुनाव

सही पौधों का चुनाव अत्यंत आवश्यक है। अधिकतर आउटडोर गार्डन के पौधे सख्त होते हैं और पौधों का रख-रखाव आसान होता है। फ्लूमेरिया, फेरंगीपानी और पाम की वैरायटी आसानी से किसी भी नर्सरी में पायी जाती हैं, टेरेस गार्डन के लिए उपयुक्त हैं। इन्हें ज्यादा पानी देने की आवश्यकता नहीं है। अगर आप रेडीमेड गार्डन चाहती हैं तो आप लॉन की स्ट्रिप्स भी नर्सरी से खरीद कर ला सकती हैं जो 2 फीट से 11 फीट के टाइल्स में आता है।

फ्लोर तैयार करना

अपने सपनों का गार्डन तैयार करने से पहले आप अपने छत को वॉटरप्रूफ यानी जलरहित बनाने की तैयारी करें। आपके छत का फ्लोर आपके गार्डन की बेस के तहत काम करेगा। आप अपनी छत पर पौधे उगाने के लिए सीधे मिट्टी नहीं डाल सकती हैं। सबसे पहले आपको पक्की ईंट या जिस ईंट को मिट्टी पकाकर में पक्का किया जाता है, इसे छत पर पूरी बिछा दें। यह आम ईंटों से बेहतर होता है क्योंकि कच्ची ईंट पिघलकर निकासी में बाधा उत्पन्न करती है। उसके बाद इस पर वायर मेस बिछा दें। यह आपके मिट्टी को ईंटों के अंदर जाने से बचाता है। इससे छत भी खराब नहीं होगी और छत पर हरियाली बढ़ेगी।

मिट्टी का चुनाव

माली की सलाह से अपने टेरेस गार्डन के लिए सही प्रकृति की मिट्टी का चुनाव करें। आप खुद भी मिट्टी तैयार कर सकती हैं। सामान्य मिट्टी में विभिन्न तरह के खाद मिलाकर गमलों के लिए मिट्टी तैयार करें।

ड्रेनेज सिस्टम यानी निकासी

दूसरा महत्वपूर्ण काम है निकासी या ड्रेनेज सिस्टम का ध्यान रखना। टेरस यानी छत पर यह सुविधा उपलब्ध होनी चाहिए। अगर पानी की निकासी नहीं की गई तो यह आपकी बिल्डिंग को नुकसान पहुंचा सकता है।

नियमित पानी

पानी देने से पहले पौधों को चेक करें। हर सुबह पौधों में पानी दें और सूरज की रोशनी के पास रख दें। पौधों की मिट्टी अगर गीली है तो पानी न दें। ज्यादा पानी से जड़ सड़ने लगता है। अगर आप नोटिस करती हैं कि पौधे सूख रहे हैं या पीले पड़ रहे है तब आप पौधों को दिन भर के लिए घर के भीतर भी रख सकती हैं।

कुशन से सजाएं अपना आशियाना

कौन कहता है कि घर की सजावट सिर्फ महंगी चीजों और बड़े-बड़े सामानों से ही होती है। घर को सजाने के लिए छोटी से छोटी चीज भी बड़ी मायने रखती है। अब आप कुशन को ही ले लीजिए। कुशन सिर्फ सोफे की सजावट ही नहीं बढ़ाता, बल्कि ड्राइंग रूम से लेकर बेडरूम तक की खूबसूरती में चार चांद लगाता है। कुशन का इस्तेमाल आप किस तरह से करती हैं, यह आपके साथ-साथ बेडरूम या ड्रॉइंग रूम की बनावट पर निर्भर करता है।

बड़ा कुशन पीछे, छोटा आगे

बड़े कुशन को पीछे रखते हुए उससे छोटे को आगे की ओर घटते क्रम में लगाकर रखने से बेड और सोफे का लुक अच्छा आता है। साथ ही इससे आपके डेकोरेटिव कुशन के कपड़े और रंग भी आसानी से नजर आएंगे।

डेकोरेटिव कुशन्स से बढ़ाएं खूबसूरती

डेकोरेटिव कुशन्स रूम की शोभा को बढ़ाने के साथ उसे एक अलग लुक भी देते हैं। खिड़कियों के पास बैठने की जगह पर रखकर, आप खिड़की को भी आकर्षक लुक दे सकती हैं। इस कुशन को पढ़ते वक्त आप सपोर्ट के लिए इस्तेमाल कर सकती हैं।

इन बातों का रखिए ध्यान

ऐसे चुनें बेडरूम के कुशन्स – बेडरूम घर का सबसे सुकून देने वाला स्थान होता है। इसलिए उसकी सजावट पर ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। बेडरूम में कुशन से सजावट करते समय यह जरूर ध्यान दें कि जिस रंग की बेड शीट हो, उसी रंग का या उससे मैच करता हुआ ही कुशन रखें।

ढेरों हैं वेरायटी – रेडिमेड कुशन्स की भी मार्केट में काफी वेरायटी उपलब्ध है। नेट और टिशु फैब्रिक से बने कुशन्स देखने में काफी सुंदर लगते हैं। झालर लगे रेडिमेड कुशन्स और भी सुंदर लगते हैं और शाही लुक देते हैं। साथ ही लेदर, साटन, सिल्क, जॉर्जेट, सिंथेटिक, कॉटन, पॉलिस्टर, जार्जेट मिक्स सिल्क, प्लास्टिक, कॉटन मिक्स सिंथेटिक आदि कई तरह के कुशन्स मार्केट में मौजूद हैं। अपनी पसंद और जरूरत के मुताबिक इनमें से अपने लिए कुशन चुनें।

कुशन्स के डिजाइन – मार्केट में कुशन्स की काफी वैराइटीज मौजूद है। सिल्क, कॉटन, पॉली सिल्क, सिंथेटिक, हाथों से बनाई, मशीन से बनाई, मशीन की सजावट से प्रिंटेड या ब्लॉक प्रिंटेड और केवल प्रिंटेड कुशन भी मार्केट में मौजूद हैं। इन्हें आप आसानी से मिक्स और मैच करके अपने घर की खूबसूरती बढ़ा सकती हैं। कॉटन, सिल्क और पॉलिस्टर के कुशन सबसे ज्यादा इस्तेमाल किए जा रहे हैं। कॉटन कुशन का इस्तेमाल गर्मी के मौसम में सबसे ज्यादा किया जाता है। वहीं, सिंथेटिक और जॉर्जेट फैब्रिक वाले कुशन का इस्तेमाल सर्दियों के मौसम में ज्यादा किया जाता है। टिशु, वूल, नाइलोन, लेस और वेलवेट के कुशन्स रूम को एक हाई प्रोफाइल लुक देते हैं।

छोटी-से-छोटी एक्सेसरीज आपके घर की खूबसूरती में इजाफा कर सकती है। महत्वपूर्ण बात यह है कि आप उस एक्सेसरीज का इस्तेमाल किस तरह से करती हैं। अपने घर की खूबसूरती को कुशन की मदद से कैसे बढ़ाएं

आपका घर भी दिखेगा आलीशान

घर के इंटीरियर में छोटे-मोटे बदलावों से आप अपने साधारण घर को भी आलीशान लुक दे सकती हैं। अपने घर को आलीशान लुक देने के लिए लाइटिंग से लेकर घर की सजावट तक में कैसा बदलाव करें

दुनिया की कोई भी जगह घर जैसा सुख नहीं दे सकती, चाहे वह पांच सितारा होटल का कमरा ही क्यों ना हो! आपके अपने घर की बात ही कुछ और होती है। लेकिन हम घर को अपने रहने के अलावा एक और नजरिये से देखते हैं। हम अपने घर को अपना स्टेटस सिंबल भी मानते हैं। लेकिन अपने स्टेटस सिंबल को और अधिक आकर्षक और शाही लुक देने के लिए आप क्या करते हैं? कई बार हमारे सामने बजट की बाध्यता आ जाती है, ऐसे में यहां कुछ टिप्स दिए गए हैं, जिन्हें अपनाकर और अपनी रचनात्मकता व सूझबूझ से घर को शाही अंदाज देने के साथ-साथ उसे और अधिक सुविधाजनक बना सकती हैं।

लाइटिंग हो अच्छी

घर की साज-सज्जा में लाइटिंग बहुत अहम होती है। इंटीरियर डिजाइनर अंकुश अग्रवाल के मुताबिक यदि घर की साज-सज्जा को दर्शाने के लिए सही लाइटिंग नहीं है तो वह अधूरी मानी जाएगी। लेकिन इसके लिए आपको बहुत ज्यादा खर्च करने की जरूरत नहीं है। इसके लिए आप लैंप का सहारा भी ले सकती हैं। अपने घर के फर्नीचर को हाइलाइट करने और किसी विशेष थीम को दिखाने का यह एक आसान और बेहतरीन तरीका है। लैंप से छन कर जो सॉफ्ट रोशनी आती है, वह हर कमरे को कोजी लुक देती है। आजकल आयरन, सेरेमिक, ब्रास, पॉली रेजिन, वुड, क्रोम और ग्लास के लैंप बाजार में उपलब्ध हैं।

परदों से दें स्टाइलिश लुक

घर की सजावट में परदों का भी अहम योगदान है। वैसे तो परदों का इस्तेमाल रोशनी को ढकने के लिए किया जाता है, लेकिन घर को थोड़ा और खूबसूरत बनाने के लिए लेस वाले परदों का इस्तेमाल किया जा सकता है। परदा सस्ता है या महंगा, इससे ज्यादा महत्वपूर्ण यह है कि आपने उसको सजाया कैसे है। साधारण से परदे को किसी कॉन्ट्रास्ट रंग की रेशमी रस्सियों से बांध कर आप कमरे में नयापन ला सकती हैं।

घर के अनुकूल हों फर्नीचर

सिर्फ शोरूम में अच्छे लगने वाले फर्नीचर न खरीदें। पहले विचार करें कि आप अपने घर का लुक किस तरह का चाहती हैं। फर्नीचर की खरीदारी से पहले ही तय कर लें कि दीवारों और फ्लोर के हिसाब से आपको कैसे फर्नीचर की जरूरत है।

सजावटी सामान में थोड़ा खर्च करें

अपने घर के लिए कुछ अलग-सा खरीद कर लाएं। मूर्तियां या एकाध फर्नीचर जैसी चीजें खरीदी जा सकती हैं। लेकिन ये ज्यादा संख्या में ना खरीदें, क्योंकि ज्यादा संख्या में ये सामान्य दिखेंगी और इनकी शोभा कम हो जाएगी।

खिलौनों को रखें दूर

घर को ग्लैमरस लुक देने की आखिरी, मगर सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि घर में खिलौनों को नजरों से दूर रखें। यदि वे इस्तेमाल नहीं हो रहे हैं तो उन्हें कहीं अंदर रख दें। इसके अलावा हर दिन इस्तेमाल में आने वाली वस्तुओं को भी उनकी सही जगह पर रखें, घर में फैलाएं नहीं।

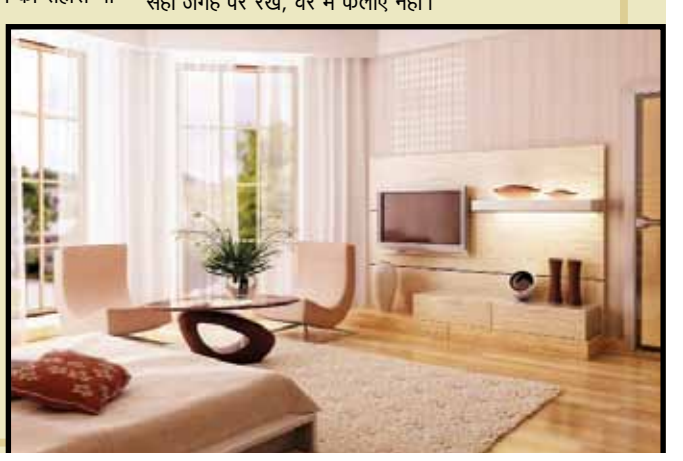

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बीजेपी का कांग्रेस पर बड़ा हमला, चीनी दूतावास ने राजीव गांधी फाउंडेशन को फंडिंग की?

नई दिल्ली(एजेंसी)।

कानून मंत्री रविशंकर प्रसाद ने दावा करते हुए कहा है कि चीन ने राजीव गांधी फाउंडेशन के लिए फंडिंग की है। कानून मंत्री ने कहा कि राजीव गांधी फाउंडेशन को चीन ने पैसे दिए। कांग्रेस ये बताए कि ये प्रेम कैसे बढ़ गया, इनके कार्यकाल में ही चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा किया। एक कानून है जिसके तहत कोई पार्टी बिना सरकार की अनुमति के विदेश से पैसा नहीं ले सकती। कांग्रेस स्पष्ट करे कि इस डोनेशन के लिए क्या सरकार से मंजूरी ली गई थी कानून मंत्री ने कहा कि राजीव गांधी फाउंडेशन के लिए डोनर की सूची है 2005-06 की। इसमें चीन के एम्बेसी ने डोनेट किया ऐसा साफ लिखा है। ऐसा क्यों हुआ? क्या जरूरत पड़ी? इसमें कई उद्योगपतियों, पीएसयू का भी नाम है। क्या ये काफी नहीं था कि चीन एम्बेसी से भी रिश्वत लेनी पड़ी। रविशंकर प्रसाद ने कहा कि क्या ये सब सोची समझी रणनीति के तहत हुआ, जिसके बाद कांग्रेस की सरकार में भारत और चीन के बीच व्यापारीय घाटा तैंतीस गुना बढ़ गया। कांग्रेस पार्टी जवाब दे कि आखिर चीन के प्रति इतना प्रेम क्यों उमड़ गया था कि पार्टी के साथ एमओयू साइन हो रहे थे? राजीव गांधी फाउंडेशन को चीनी दूतावास पैसा दे रही है। आप भारत और चीन के बीच फ्री ट्रेड की बात कर रहे हैं। कानून मंत्री ने कहा कि एक समय कांग्रेस के राज में चीन को अपने देश का इतना बड़ा भूभाग दे दिया। दस साल से शासन में कांग्रेस के लोग चीन के सामने घुटने टेके हुए थे। इसलिए जब कभी चीन को लेकर सवाल उठते थे उनके रक्षा मंत्री प्रभावी जवाब नहीं देते थे। उन्होंने एक और सवाल खड़े करते हुए कहा कि एक कानून है फॉरेन कॉन्ट्रिब्यूशन रेगुलेटरी एक्ट 1976। इसमें धारा चार, पांच, छह और तेईस में कहा गया है कि कोई भी उम्मीदवार विदेश से पैसा नहीं ले सकता। कोई भी राजनीतिक पार्टी विदेश से पैसा नहीं ले सकती। कोई भी राजनीतिक टाइप का संगठन, बिना सरकार के अनुमति के विदेशी फंड नहीं ले सकती। मेरा मानना है कि राजीव गांधी फाउंडेशन एक प्रकार से कांग्रेस का एक्सटेंशन था। क्या उन्होंने चीन से पैसा लेने से पहले केंद्र सरकार की अनुमति ली थी? प्रसाद ने सवाल खड़े करते हुए कहा कि कानून के मुताबिक कोई भी संस्थान अगर विदेशी फंड लेता है तो उसे इससे संबंधित सभी जानकारी सरकार को देनी होती है। क्या राजीव गांधी फाउंडेशन ने सरकार को चीन से लिए गए डोनेशेन की जानकारी दी थी? क्या उन्होंने बताया था कि किन शर्तों पर डोनेशन लिया और आपने इसका क्या उपयोग किया? अगर आपने जानकारी नहीं दी तो क्यों नहीं दी और अगर दी तो क्या ये बताया कि हम चीन के साथ फ्री ट्रेड के बदले में ये पैसा ले रहे हैं? इससे पहले बीजेपी से जुड़े सूत्रों ने जानकारी दी है कि भारत स्थित चीनी उच्चायोग, राजीव गांधी फाउंडेशन (आरजीएफ) के लिए लंबे वक्त से फंडिग करता रहा है। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी, राजीव गांधी फाउंडेशन की चेयरपर्सन हैं, जबकि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह, पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, पूर्व वित्त मंत्री पी चिदंबरम और कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी इस बोर्ड के सदस्य हैं।

सीतारमण ने साधा निशाना, बोली- सत्ता की भूखी कांग्रेस के मुंह से अच्छी नहीं लगती लोकतंत्र की बात

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने निशाना साधते हुए कहा कि 'सत्ता की भूखी' कांग्रेस सरकार ने 45 साल पहले आज ही के दिन लोगों से उनके अधिकार छीन लिए थे और आज लोकतंत्र की बात करने की कांग्रेस की हिम्मत समझ से बाहर है। सीतारमण ने 25 जून 1975 को लगे आपातकाल को याद करते हुए कहा कि यह ''सत्ता की भूखी कांग्रेस पार्टी'' द्वारा लागू किया गया था और उसने आपातकाल लगाकर लोकतंत्र के आगे एक बड़ी चुनौती उत्पन्न की थी। आपातकाल 21 मार्च 1977 तक चला था। भाजपा की तमिलनाडु पार्टी इकाई के कार्यकर्त्ताओं को ऑनलाइन रैली में संबोधित करते हुए सीतारमण ने कहा कि लोगों के अधिकार पूरी तरह छीन लिए गए। कांग्रेस पार्टी ने ऐसा क्यों किया? यह सत्ता की लालसा थी। कानून तोड़ा गया और आपातकाल की घोषणा की गई। उन्होंने आरोप लगाया कि आपातकाल के दौरान अनेक अत्याचार किए गए और विपक्ष के कई बड़े नेताओं को जेल में डाला गया। दिवंगत मुख्यमंत्री एम करुणानिधि के नेतृत्व वाली डीएमके सरकार बर्खास्त कर दी गई।

द्रमुक नेता मेयर चिट्टीबाबू जेल में यातनाएं नहीं झेल पाए और और उन्होंने दम तोड़ दिया। द्रमुक नेता मेयर चिट्टीबाबू जेल में यातनाएं नहीं झेल पाए और और उन्होंने दम तोड़ दिया। सीतारमण ने पूछा कि द्रमुक को लोकतंत्र और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सवाल उठाने का क्या अधिकार है?

गलवान घाटी तनाव- झड़प वाली जगह से एक किलोमीटर पीछे हटे चीनी सैनिक

नेशनल डेस्क। भारत चीन के बीच हुई सहमति के बाद गलवान घाटी में तनाव को कम करने की कोशिश शुरू हो गई है। चीनी सेना अपने वाहन सहित गलवान घाटी पर झड़प वाली जगह से एक किलोमीटर पीछे हट गई है। सूत्रों के मुताबिक 22 जून को चीनी पक्ष ने आश्वासन दिया था कि वे सैनिकों को फ्रंट एरिया से डेप्थ एरिया में भेजेंगे। इस संबंध में गलवान क्षेत्र में कुछ सैनिकों और वाहनों को उनके द्वारा वापस ले जाया गया । गलवान घाटी में झड़प के बाद यह पहली बार है, जब चीन की सेना पीछे हटी है। दरअसल पिछले कुछ दिन से चीन गलवान घाटी पर दावा कर रहा है, लेकिन भारत इसे ऐसा दावा बता रहा है जिसमें कोई तथ्य नहीं है। पेंगोंग सो और गलवान घाटी के अलावा दोनों देश की सेनाओं के बीच पूर्वी लद्दाख के देमचोक, गोगरा हॉट स्प्रिंग और दौलत बेग ओल्डी में भी गतिरोध जारी है। बड़ी संख्या में चीनी सेना के जवान वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारत की ओर आ गए थे। चीन ने अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और उत्तराखंड में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर कई महत्वपूर्ण सेक्टरों पर सैनिकों की संख्या और हथियार दोनों बढ़ा दिए हैं। चीन ऐसे वक्त में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर सैन्य उपस्थिति बढ़ा रहा है जब दोनों देशों के बीच सैन्य और कूटनीतिक वार्ता जारी है। दोनों देशों की सेनाओं के वरिष्ठ कमांडरों की सोमवार को बैठक हुई जो करीब घंटे चली ।

लॉकडाउन: मुंबई की मस्जिद में एकत्रित हुए लोग, पांच के खिलाफ मामला दर्ज

मुंबई। अंधेरी स्थित एक मस्जिद में बृहस्पतिवार को कथित रूप से लॉकडाउन के नियमों का उल्लंघन कर लोगों के एकत्रित होने के संबंध में मस्जिद के न्यासियों समेत पांच व्यक्तियों पर एक मामला दर्ज किया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि डी एन नगर पुलिस को सूचना मिली कि अंधेरी में ईदगाह मस्जिद में सुबह कुछ लोग एकत्रित हुए थे जिसके बाद वहां पुलिस का एक दल भेजा गया था। अधिकारी ने कहा कि पुलिस को परिसर में सामाजिक नियमों का उल्लंघन करते लोग दिखे और आगे की जांच में पता चला कि लोग नमाज पढ़ने नहीं बल्कि चर्चा करने एकत्रित हुए थे। डी एन नगर पुलिस थाने के वरिष्ठ निरीक्षक परमेश्वर गनमे ने बताया कि उन्होंने भारतीय दंड संहिता के प्रावधानों के तहत एक मामला दर्ज किया है और प्राथमिकी में मस्जिद के न्यासियों समेत पांच लोगों का नाम दर्ज किया गया है।

भूटान ने रोका भारत का पानी, असम के प्रभावित किसानों ने किया प्रदर्शन

इंटरनेशनल डेस्क(एजेंसी)।

भारत और चीन के बीच नियंत्रण रेखा पर हाल ही में हुई झड़पों के बाद बढ़े तनाव के बीच अब भूटान ने भारतीय राज्य असम के सीमावर्ती इलाकों में सिंचाई का पानी लेने पर अचानक रोक लगा दी है। भूटान सरकार के इस फैसले से असम के हज़ारों परिवार प्रभावित हो गए हैं। हालांकि भूटान का कहना है कि उसने ये फैसला कोरोना लॉकडाउन के चलते लिया है। भूटान के पानी रोकने के बाद परेशान किसानों ने 24 जून को असम की सड़कों पर विरोध प्रदर्शन किया। किसानों ने प्रदर्शन करते हुए असम की सरकार से जल्द से जल्द इस मसले का समाधान तलाशने की मांग की। असम के सीमावर्ती इलाकों के किसान परेशान हैं वे योंकि पानी रुक जाने से धान की खेती प्रभावित हुई है। अनुमान है कि इससे लगभग 6 हज़ार परिवार न सिर्फ प्रभावित होंगे बल्कि उनके सामने खेती करना ही सबसे बड़ी चुनौती हो जाएगी। ऐसे में असम के किसानों ने कल सड़कों का रुख किया। स्थानीय मीडिया संस्थान रिपोर्ट डॉट कॉम के मुताबिक असम के 25 गांवों से आने वाले किसानों ने अपने खेतों को छोड़कर भूटान के खिलाफ काफी देर तक प्रदर्शन किया। भूटान सरकार का विरोध करते हुए किसानों ने कई घंटों तक रोंगा और भूटान को जोड़ने वाली सड़क को जाम कर दिया। इस प्रदर्शन से यातायात रूका रहा। असम के स्थानीय मीडिया संस्थान ईस्ट मोजो के मुताबिक 1953 से ही भूटान असम के सीमावर्ती इलाकों में पानी उपलब्ध करा रहा है। यहां के किसान सिंचाई के लिए भूटान के ही सिंचाई चैनल पर निर्भर थे। असम के सीमावर्ती इलाकों में रहने वाले किसान पूर्णतः कालिंदी नदी के पानी पर आश्रित हैं। उनकी निर्भरता इसलिए है क्योंकि वे एक वर्ष आधारित मॉडल पर काम करते हैं।

कोविड-19 संकट की वजह से अप्रैल-जून में घरों की बिक्री में 81 प्रतिशत गिरावट का अनुमान: रिपोर्ट

नयी दिल्ली(एजेंसी)।

कोविड-19 संकट और उसकी वजह से लागू लॉकडाउन के चलते चालू कैलेंडर वर्ष की अप्रैल-जून अवधि के दौरान घरों की बिक्री 81 प्रतिशत घटकर 12,740 इकाई रहने का अनुमान है। संपत्ति सलाहकार एनारॉक की बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल-जून, 2019 के दौरान सात बड़े शहरों... दिल्ली-एनसीआर, मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर), पुणे, बेंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई और कोलकाता में घरों की बिक्री 68,600 इकाई रही। यही नहीं इस अवधि में नए घरों की पेशकश के भी 98 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,390 इकाई रहने का अनुमान है। पिछले साल समान अवधि में 69,000 नए मकान बिक्री के लिए उपलब्ध कराए गए थे। एनारॉक के चेयरमैन अनुज पुरी ने कहा, ''इस तिमाही में ज्यादातर समय लॉकडाउन की वजह से घरों की बिक्री और पेशकश में भारी गिरावट का अनुमान पहले से था।'' कोरोना वायरस महामारी पर काबू के लिए राष्ट्रव्यापी बंद 25 मार्च से लगाया गया था। इससे निर्माण गतिविधियां पूरी तरह रुक गई थी। साथ ही इससे घरों की बिक्री भी लगभग ठहर गई थी। पुरी ने कहा कि मौजूदा स्थिति के मद्देनजर अब कई डेवलपर्स अपनी डिजिटल बिक्री क्षमता को बढ़ा रहे हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि अप्रैल-जून, 2020 के दौरान दिल्ली-एनसीआर में पिछले साल की समान अवधि में यह आंकड़ा 12,640 इकाई था। इसी तरह मुंबई महानगर क्षेत्र में घरों की बिक्री 83 प्रतिशत घटकर 21,360 से 3,620 इकाई रहने का अनुमान है।

बघेलान के इस किले में देखने को मिलेगी हजारों वर्ष पुरानी नक्काशी, पुरातत्व विभाग करेगा जीर्णोधार

सतना(एजेंसी)।

मध्य प्रदेश के इतिहास की बात करें तो राज्य में बहुत से किले है और इसे किलों का राज्य कहा जाता है। इनमें से कुछ का जीर्णोद्धार किया गया जो आज बेहतर हालात में हैं तो वहीं कुछ क्षत विक्षत होकर खंडहर बन गए हैं जो अपना अस्तित्व खोते जा रहे हैं। इसका बड़ा कारण शासन प्रशासन का इनकी तरफ ध्यान न देना है। इन्हीं में से एक है मध्यप्रदेश के सतना जिले के रामपुर बघेलान का किला। जो आज अव्यवस्था की मार झेल रहा है। हालांकि अब इसमें एक नई पहल शुरू की जा रही है। ग्राम पंचायत की मांग के बाद अब पुरात्तव विभाग इस किले का जीर्णोद्धार करने जा रहा है। जानकारी के अनुसार, सैकड़ों वर्ष पुराना यह किला सतना के रामपुर बघेलान तहसील में खरवाही गांव में है। इस किले का इतिहास बड़ा ही रोचक है। इस किले की नक्काशी हजारों वर्ष पुरानी है और देखते ही बनती है। इतनी सुंदर और आकर्षक नकाशी कम ही देखने को मिलती है। ग्राम खरवाही के सरपंच स्वामीदीन कुशवाहा बताते हैं कि यह सैकड़ों वर्ष पुराना किला है। यहां पर लवाना जाति के लोग रहते थे। लेकिन उनके जाने के बाद सैकड़ों वर्षो से इस किले में वीरानी छा गई और यह खंडहर में तब्दील हो गया है। इस किले के अंदर एक अंधेरी कोठी है, जिसमें कोई जाने का साहस नहीं कर पाता है। इस किले से और पौड़ी गारादा में बने पुराने किले कि नीचे से एक सुरंग है जहां बीच में नदी पड़ती है। उस सुरंग को भी जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। दोनों किले के बीच में तमस नदी का प्रवाह अनवरत चलता है कि कभी इस घड़ी में सैकड़ों घोड़ों के रहने का ठिकाना था।

पायलट की राहुल गांधी को नसीहत फिर संभालें कांग्रेस की कमान

नेशनल डेस्क(एजेंसी)।

राजस्थान के उप मुख्यमंत्री एवं प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सचिन पायलट ने वीरवार को कहा कि पार्टी के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी को अब पार्टी अध्यक्ष की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। गांधी को फिर कांग्रेस अध्यक्ष बनाए जाने की मांग पर उन्होंने यहां संवाददाताओं से कहा कि इसको लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने प्रस्ताव पारित किया हुआ है। हम सब की मांग है राहुल गांधी पुनः जिम्मेदारी संभाले।

मोदी सरकार पर साधा निशाना

चीन के साथ गतिरोध को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए पायलट ने कहा कि केंद्र की तरफ से अभी चीन मामले पर कोई स्पष्टीकरण नहीं आया है। देश जानना चाहता है कि गलवान घाटी में हमारे 20 जवान क्यों शहीद हुए। उन्होंने कहा कि लद्दाख की गलवान घाटी में शहीद हुए देश के वीर सैनिकों को श्रृद्धांजलि देने के वास्ते प्रदेश कांग्रेस कमेटी द्वारा शुक्रवार को प्रदेशभर में जिला एवं ब्लॉक स्तर पर 'शहीदों को सलाम दिवस आयोजित किया जायेगा।

पेट्रोल-डीजल के बढ़ते दाम पर उठाए सवाल

कांग्रेस नेता ने बताया कि इसके तहत कांग्रेस कार्यकर्ता सुबह 11 बजे से दोपहर 12 बजे तक अपने-अपने क्षेत्रों में स्थित शहीद स्मारक या महात्मा गांधी की प्रतिमा या स्वतंत्रता सेनानियों से संबंधित स्थल पर बैठकर शहीदों को श्रृद्धांजलि अर्पित करेंगे। पेट्रोल एवं डीजल के बढ़ते दामों पर पायलट ने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण के कारण हम पहले ही आर्थिक मंदी से जूझ रहे हैं। जब दुनियाभर में कच्चे तेल की कीमत घट रही हैं तब केंद्र सरकार कीमत बढ़ाकर जनता की कमर तोड़ने का काम कर रही है। जब दुनियाभर में कच्चे तेल की कीमत घट रही हैं तब केंद्र सरकार कीमत बढ़ाकर जनता की कमर तोड़ने का काम कर रही है। पायलट ने कहा कि देश मे लगातार पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने से जनता में आक्रोश है। इसे लेकर कांग्रेस 29 जून को जिला स्तर पर प्रदर्शन कर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौपेंगी।

रेलवे स्टेशनों पर अब स्टॉल पर मिलेंगी कोरोना वायरस से बचाव संबंधी जरूरी चीजें

नयी दिल्ली। रेलवे स्टेशनों के बहुद्देश्यीय स्टॉल पर अब कोरोना वायरस से बचाव से संबंधित मास्क, दस्ताने, बेडरॉल किट, सैनेटाइजर जैसी जरूरी चीजें बिक्री के लिए उपलब्ध होंगी। रेलवे अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। रेलवे बोर्ड के दिशा-निर्देशों के अनुसार आम तौर पर निजी ठेकेदारों के स्टॉल पर ज्यादातर प्रसाधन सामग्री, किताबें, दवाएं और खाने-पीने के पैकेट जैसी चीजें होती हैं जिनकी यात्रियों को जरूरत होती है। अब ये स्टॉल यात्रियों को कोरोना वायरस संक्रमण से बचाने वाली सभी जरूरी चीजें भी बेच सकेंगे। रेलवे के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, '' इस बात को ध्यान में रखते हुए कि इस वक्त यात्रा कर रहे यात्रियों को कुछ खास ऐसी चीजें की जरूरत हो सकती है जो वे घर से लाना भूल गये हों और उन्हें खरीदने की जरूरत है, हमने अपने बहुद्देश्यीय स्टॉल को उन्हें बेचने का निर्देश दिया है।'' उन्होंने कहा, '' लेकिन हमने कहा है कि उन्हें अधिकतम खुदरा मूल्य पर बेचा जाए और इनमें उन्हें कोई मुनाफाखोरी नहीं करने दी जाएगी।'' अधिकारी ने कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण फैलने के डर से ट्रेनों में अब बेडरॉल नहीं दिये जा रहे हैं। ये उन स्टॉल पर उपलब्ध होंगे। उन्हें 'तकिया, तकिया का खोल, रजाई, तौलिये' के किट के रूप में बेचा जाएगा या अलग अलग भी लिया जा सकता है। पिछले सप्ताह जारी आदेश में कहा गया है कि स्वच्छता बनाये रखने और यात्रियों की जरूरतों को पूरा करने पर जोर दिया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

गंदगी से परेशान थे शहरवासी, सफाई करने खुद ही नाले में उतर गए भजपा पार्षद

नेशनल डेस्क। इन दिनों कर्नाटक के मेंगलुरु का एक वीडियो चर्चा का विषय बना हुआ है। यहां पानी से लबालब भरी सड़कों को साफ करने के लिए भारतीय जनता पार्टी के एक पार्षद ने जो कर दिखाया वह काबिले तारीफ है। हर कोई उनके इस हौसले की तारीफ कर रहा है। दरअसल शहर का एक नाला ओवरफ्लो हो जाने के कारण सड़कों पर पानी भर गया। लोगों को आ रही परेशानी को देखते हुए पार्षद मनोहर शेट्टी ने इसे जल्द से जल्द इसे नाले को साफ करवाने को कहा लेकिन मजदूरों ने यह कहते मना कर दिया कि मानसून के मौसम में सीवर के भीतर जाना खतरनाक है। ऐसे में शेट्टी ने खुद ही नाले के अंदर जाकर सफाई करने का फैसला लिया। भाजपा पार्षद की कुछ तस्वीरे भी सामने आई है, जिसमें वह नाले के अंदर जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। शेट्टी ने बताया कि मुझे मैनहोल में घुसते देख मेरी पार्टी के चार और कार्यकर्ता भी अंदर आ गए। हमें सफाई करते हुए लगभग आधा दिन लग गया लेकिन अंदर फंसा सारा कचरा साफ हो गया। शेट्टी कादरी दक्षिणी सीट के कॉरपोरेटर हैं। उन्होंने कहा कि हम सिर्फ गरीब लोगों पर मैनहोल की सफाई के लिए दबाव नहीं डाल सकते हैं। अगर कुछ गड़बड हुआ तो कौन जिम्मेदारी लेगा? इसी वजह से ये सबकुछ मैने खुद ही किया। शेट्टी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है, जिसे लोग खूब पसंद कर रहे हैं।

समय से पहले मानसून ने दी दिल्ली में दस्तक, कई इलाकों में भारी बारिश का अलर्ट

नेशनल डेस्क। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी में मानसून के आने की गुरुवार को घोषणा कर दी। के क्षेत्रीय पूर्वानुमान केंद्र के प्रमुख कुलदीप श्रीवास्तव ने कहा कि मानसून पश्चिमी और पूर्वी राजस्थान के कुछ हिस्सों, हरियाणा के पूर्वी हिस्से, दिल्ली, पूरे उत्तर प्रदेश और पंजाब के ज्यादातर हिस्सों तक वीरवार को पहुंच गया। श्रीवास्तव ने बताया कि मानसून नागौर, अलवर, दिल्ली, करनाल और फिरोजपुर से होकर उत्तर की ओर बढ़ गया है। मौसम विज्ञान विभाग ने राष्ट्रीय राजधानी के कुछ स्थानों पर भारी बारिश का भी अनुमान जताया है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार चक्रवातीय दबाव के कारण दिल्ली में मानसून समय से पहले पहुंच गया है। यह चक्रवातीय दबाव 19 और 20 जून को दक्षिण पश्चिम उत्तर प्रदेश की ओर बढ़ा था जिससे मानसून के समय से पहले पहुंचने में मदद मिली।

सिंध नाले में गिरा ट्रक , चालक और कंडक्टर दोनों बाल-बाल बचे

श्रीनगर। गांधरबल में एक भयानक हादसे में दो लोग बाल-बाल बचे। हादसा गगनगीर क्षेत्र में उस समय पेश आया जब लेह से जा रहा एक ट्रक अनियंत्रित होकर सिंध नाले में जा गिरा। हादसे में चालक और कंडक्टर सुरक्षित बच निकले। पुलिस के अनुसार ट्रक जेके02बी-5210 श्रीनगर-लेह हाईवे पर हादसे का शिकार हो गया। स्थानीय लोगों ने जब हादसा होता देखा तो उन्होंने चालक और कंडक्टर को सुरक्षित निकाल लिया। दोनों को कोई चोट नहीं आई और उनकी जान बच गई। आपको बता दें कि सिंध नाला काफी गहरा है।

कोरोना की मार- इस साल जन्माष्टमी पर नहीं गूंजेगी गोविंदा आला की आवाज, दही हांडी उत्सव कैंसिल

नेशनल डेस्क। कोरोना संकट के चलते इस बार कई महोत्व रद्द किए जा रहे हैं। इस बार मुंबईवासियों को गोविंदा आला की आवाज सुनने को नहीं मिलेगी। महानगर मुंबई सहित महाराष्ट्र में कोरोना वायरस के कारण इस साल दही हांडी उत्सव नहीं मनाने का फैसला लिया गया है। हालांकि कृष्ण जन्माष्टमी की पूजा सादे ढंग से होगी। दही हांडी समन्वय समिति के अरुण पाटिल ने इस बात की जानकारी दी है। अरुण पाटिल ने कहा कि युवकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह फैसला लिया गया और इस पर पुनर्विचार नहीं होगा। बता दें कि कृष्ण जन्माष्टमी पर देश भर के कई बड़े शहरों में दही-हांडी का आयोजन होता है लेकिन सबसे ज्यादा प्रसिद्ध मुंबई और महाराष्ट्र का दही हांडी उत्सव होता है। इसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं। गोविंदा की टोलियां शहर भर ऊंचाई पर बांधी गई मटकियों को फोड़ते हैं। कृष्ण जन्माष्टमी के दूसरे दिन दही हांडी उत्सव मनाया जाता है। इस बार कृष्ण जन्माष्टमी 11 अगस्त को मनाई जा रही है। बता दें कि देश में कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित महाराष्ट्र और दिल्ली है। महाराष्ट्र में कोरोना केसों की संख्या 142900 है जिसमें से 73792 लोग रिकवर कर चुके हैं। राज्य में अब तक कोरोना संक्रमण से 6739 लोगों की जान गई है।

जम्मू-कश्मीर में कोरोना पीड़ित के दो रिश्तेदारों की मौत के मामले में उच्च स्तरीय जांच के आदेश

जम्मू । जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने कोरोना वायरस की वजह से मरने वाले एक मरीज के अंतिम संस्कार में शामिल होने के दौरान दो लोगों की मौत और कठुआ जिले के एक पृथकवास केंद्र में एक व्यक्ति की मौत को लेकर जांच के आदेश दिए हैं। हालिया जांच आदेश मजिस्ट्रेट स्तर पर हुई जांच रिपोर्ट के जमा होने के बाद दिया गया है। इस जांच में जम्मू में दो लोगों की मौत के मामले में प्रशासन की लापरवाही को लेकर जांच की गई थी। सामान्य प्रशासन विभाग की ओर से जारी आदेश में बताया गया है कि जम्मू के संभागीय आयुक्त को जांच अधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है और उन्हें 10 दिन के भीतर ही सरकार के पास रिपोर्ट जमा करने के लिए कहा गया है। दो रिश्तेदार 42 वर्षीय विमल जादू और 35 वर्षीय विपिन जादू की मौत कथित तौर शरीर में पानी की कमी से 18 जून को अपने चाचा के अंतिम संस्कार के दौरान हुई थी।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ट्रम्प की नीति अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक होगी: यूएसआईबीसी

वाशिंगटन (एजेंसी)।

एच-1बी वीजा और अन्य गैर आव्रजक वीजा को अस्थाई तौर पर निलंबित करने के अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कदम और आव्रजन पर उनकी प्रतिबंधात्मक नीतियां अमेरिकी अर्थव्यवस्था के लिए हानिकारक होगी। अमेरिकी भारतीय व्यापार परिषद (यूएसबीआईसी) की अध्यक्ष निशा देसाई बिस्वाल ने पीटीआई-भाषा के साथ एक साक्षात्कार में यह बात कही। उन्होंने कहा, यह (अधिघोषणा) दुर्भाग्यपूर्ण है। ट्रंप ने इस सप्ताह की शुरुआत में भारतीय आईटी पेशेवरों के बीच लोकप्रिय एच-1बी वीजा के साथ ही अन्य विदेश कार्य वीजा जारी करने पर इस साल के अंत तक रोक लगाने की अधिघोषणा जारी की थी।

ट्रंप ने कहा था कि यह कदम लाखों अमेरिकियों की मदद के लिए जरूरी है जिन्होंने मौजूदा आर्थिक संकट की वजह से नौकरियां गंवा दी हैं।ट्रंप के इस कदम से यू एस चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स और यूएसआईबीसी सहमत नहीं हैं। बिस्वाल ने कहा, मुझे लगता है कि पिछले कई साल में एच1बी वीजा और एल1 बी वीजा के तहत अन्य देशों से उच्च-कौशल प्राप्त कर्मियों के आव्रजन से अमेरिका को खासकर तकनीक के क्षेत्र में खासा लाभ हुआ है।

ट्रंप को करारा झटका: स्पीकर पेलोसी ने जारी किया नया 'ओबामाकेयर' विधेयक

वाशिंगटन (एजेंसी)।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को करारा झटका देते हुए प्रतिनिधि सभा की स्पीकर नैंसी पेलोसी ने 'ओबामाकेयर' को विस्तार देने के लिए एक नई योजना जारी की है। वहीं ट्रम्प प्रशासन ने इसे रद्द कराने के लिए उच्चतम न्यायालय का रुख करने की तैयारी कर ली है। पेलोसी ने योजना पर मतविभाजन की घोषणा की है। वहीं ट्रम्प प्रशासन के 'एफोर्डेबल केयर एक्ट' को असंवैधानिक ठहराने के लिए बृहस्पतिवार को उच्चतम न्यायालय में दस्तावेज दाखिल करने की संभावना है। पेलोसी अपने विधेयक को सोमवार को सदन में पेश करना चाहती हैं। उन्होंने कहा कि लगभग दो करोड़ लोगों को कवरेज प्रदान करने वाले स्वास्थ्य बीमा विस्तार को पलटने की कोशिश करना किसी भी समय गलत था। उन्होंने कहा, '' अब, तो यह मूर्खता से भी परे है।'' कोविड-19 के मामले टेक्सास, फ्लोरिडा और कैलिफ़ोर्निया जैसे प्रमुख राज्यों में बढ़ रहे हैं और लाखों कर्मचारी जो वायरस को रोकने के लिए आर्थिक शटडाउन में कवरेज खो चुके हैं, वे ऐसे में स्वास्थ्य कानून पर भरोसा कर सकते हैं। व्हाइट हाउस ने कहा कि पैलॉसी महज राजनीति कर रही हैं। प्रवक्ता जूड डेरे ने एक बयान में कहा, '' पक्षपातपूर्ण खेल करने की बजाय, डेमोक्रेट को इन महत्वपूर्ण मुद्दों पर राष्ट्रपति के साथ काम करना जारी रखना चाहिए और सुनिश्चित करना चाहिए कि हमारा देश इस महामारी से पहले से कई अधिक ताकतवर बन कर उबरे।''

स्टडी में दावा: खांसी, बुखार कोरोना वायरस के प्रमुख लक्षण

लंदन (एजेंसी)।

लगातार खांसी और बुखार के कोविड-19 के प्रमुख लक्षण होने की पुष्टि हुई है। अध्ययनों की एक प्रमुख समीक्षा के अनुसार इसके अलावा कोरोना वायरस के अन्य लक्षणों में थकान, गंध नहीं आना, सांस लेने में कठिनाई शामिल है। पत्रिका 'पीएलओएस वन में प्रकाशित अध्ययन में उन लक्षणों की पुष्टि की गई है जिन्हें विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने इस बीमारी की शुरुआत में सूचीबद्ध किया था। इसके अनुसंधानकर्ताओं में ब्रिटेन की यूनिवर्सिटी आफ लीड्स के अनुसंधानकर्ता शामिल हैं। इन अनुसंधानकर्ताओं ने नौ देशों के 24 हजार से अधिक मरीजों द्वारा अनुभव किए जा रहे सामान्य लक्षणों की पहचान करने के लिए 148 अलग अलग अध्ययनों के आंकड़े संकलित किए। इन नौ देशों में ब्रिटेन, चीन और अमेरिका भी शामिल हैं। अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि यह अध्ययन कोविड-19 के लक्षणों को लेकर की गई सबसे बड़ी समीक्षाओं में से एक है। अनुसंधानकर्ताओं ने यह भी स्वीकार किया कि संभव है कि ऐसे लोगों की बड़ी संख्या हो जो इस वायरस से संक्रमित हों लेकिन उनमें कोई लक्षण दिखाई नहीं दें। लीड्स इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल रिसर्च में सर्जन और क्लीनिकल रिसर्च फेलो रिकी वेड ने कहा, ''इस विश्लेषण से इस बात की पुष्टि होती है कि कोविड-19 से संक्रमित पाये गए लोगों के लक्षणों में खांसी और बुखार सामान्य लक्षण थे। लोगों के लक्षणों में खांसी और बुखार सामान्य लक्षण थे। अनुसंधानकताओं ने कहा कि अध्ययन में पता चला कि 24410 मामलों में से 78 प्रतिशत को बुखार था। 57 प्रतिशत में खांसी थी।

अमीरात ने पाकिस्तान से यात्री उड़ानों पर लगाई अस्थायी रोक

इस्लामाबाद (एजेंसी)।

अमीरात विमानन कंपनी के विमान में 22 जून को हांगकांग की यात्रा करने वाले 30 पाकिस्तानी नागरिकों में कोरोना वायरस की पुष्टि होने के बाद कंपनी ने तीन जुलाई तक के लिए पाकिस्तान से अपनी सभी यात्री उड़ानों पर रोक लगा दी है। डॉन अखबार में बृहस्पतिवार को प्रकाशित खबर के अनुसार संक्रमित पाए गए कुछ यात्रियों में लक्षण थे और कुछ में नहीं थे। हांगकांग के स्वास्थ्य विभाग की वेबसाइट के अनुसार तीन लोगों को छोड़कर सभी को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। अमीरात के एक प्रवक्ता ने बुधवार को कहा, हमारी उड़ान में यात्रा करने वाले कुछ यात्रियों में हांगकांग में कोविड-19 की पुष्टि होने के बाद, अमीरात ने पाकिस्तान से यात्री सेवाओं पर अस्थायी रूप से रोक लगाने का निर्णय लिया है। हम विभिन्न अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं और पाकिस्तान से सेवाएं बहाल करने से पहले हम सभी पक्षों को संतुष्ट करने के लिए आवश्यक कदम उठाएंगे। प्रवक्ता ने कहा कि चालक दल के सदस्यों और ग्राहकों का स्वास्थ्य और उनकी सुरक्षा अमीरात के लिए सर्वोपरि है । कंपनी ने कहा कि पाकिस्तान में उनकी मालवाहक विमान सेवा और लोगों को वापस लाने का काम जारी रहेगा।

संक्षिप्त समाचार

कोविड-19 : संक्रमित के सम्पर्क में आए सेनेगल राष्ट्रपति ने खुद को किया क्वारंटाइन

डकार। सेनेगल के राष्ट्रपति मैकी सॉल ने कोरोना वायरस से संक्रमित एक व्यक्ति के सम्पर्क में आने के बाद खुद को पृथक कर लिया है। सेनेगल के राष्ट्रीय टेलीविजन ने बुधवार को एक रिपोर्ट में बताया कि 58 वर्षीय सॉल की पहले ही कोविड-19 जांच की गई थी, जिसमें उनके संक्रमित ना होने की पुष्टि हो चुकी है लेकिन उन्होंने फिर भी खुद को पृथक कर लिया है। खबर में इस बात का खुलासा नहीं किया गया कि राष्ट्रपति किस संक्रमित व्यक्ति के सम्पर्क में आए हैं। करीब एक महीने पहले सॉल के भाई भी संक्रमित पाए गए थे।पश्चिमी अफ्रीकी देश में कोविड-19 के 6,000 से अधिक पुष्ट मामले हैं और 93 लोगों की इससे जान जा चुकी है।

कोविड-19: पाकिस्तान में संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 1,92,000 के पार

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 संक्रमण के 4,044 नए मामले सामने आए, जिसके बाद देश में संक्रमण के कुल मामलों की संख्या 1,92,000 के पार पहुंच गई। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के अनुसार इस दौरान महामारी से 148 और लोगों की जान चली गई, जिससे मृतकों की संख्या बढ़कर 3,903 हो गई। मंत्रालय ने कहा कि पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 4,044 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 1,92,970 हो गई। सिंध में कोविड-19 के 74,070, पंजाब में 71,191, खैबर पख्तूनख्वा में 23,887, इस्लामाबाद में 11,710, बलूचिस्तान में 9,817, गिलगित बल्तिस्तान में 1,365 और पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर में 930 मामले सामने आए हैं। पाकिस्तान में अब तक कोविड-19 के 81,307 मरीज ठीक हो चुके हैं।

बाइडेन विस्कांसिन सम्मेलन में राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन स्वीकार करेंगे

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व उपराष्ट्रपति जो बाइडेन आगामी 20 अगस्त को विस्कांसिन के मिल्वॉकी शहर में डेमोक्रटिक पार्टी के सम्मेलन में औपचारिक तौर पर राष्ट्रपति चुनावों के उम्मीदवार के रुप में नामांकन स्वीकार करेंगे। आयोजकों ने इस चार दिवसीय कार्यक्रम के ऑनलाइन प्रसारण की घोषणा की। तीन नवंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव में 77 वर्षीय बाइडेन मौजूदा राष्ट्रपति और डेमोक्रेटिक पार्टी के उम्मीदवार 74 वर्षीय ट्रंप को चुनौती देंगे। हालिया चुनाव पूर्व सर्वेक्षणों में ट्रंप अपने प्रतिद्वंद्वी बाइडेन से औसतन आठ प्रतिशत पीछे हैं। कोरोना वायरस महामारी के खतरे को देखते हुए डेमोक्रेटिक नेशनल कन्वेंशन कमेटी(डीएनसीसी) ने बुधवार को सम्मेलन के मिल्वॉकी से ऑनलाइन प्रसारण की घोषणा की ताकि सभी देशवासी इसे देख सकें। डीएनडीसी ने कहा कि सम्मेलन में डेमोक्रेट बाइडेन को आधिकारिक तौर पर राष्ट्रपति चुनावों के लिए डेमोक्रेटिक पार्टी का उम्मीदवार नामांकित करेंगे। राष्ट्रपति चुनावों के लिए बाइडेन के अभियान प्रबंधक जेन ऑमेल डिलन ने कहा कि मिल्वॉकी में नामांकन स्वीकार कर उपराष्ट्रपति बाइडेन डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति शासन को खत्म करने की ओर एक और कदम बढ़ाएंगे।

ताज महल की तरह अमेरिकी राष्ट्रीय उद्यानों में प्रवेश के लिए विदेशी दें अधिक शुल्क: सांसद

वाशिंगटन। अमेरिका के एक प्रभावशाली सांसद ने देश के राष्ट्रीय उद्यानों में प्रवेश के लिए विदेशी पर्यटकों से 16 से 25 डॉलर का अतिरिक्त शुल्क लेने का कानून बनाने की मांग की और तर्क दिया कि भारत ताज महल जैसे स्मारकों में प्रवेश के लिए यही करता है। 'ग्रेट अमेरिकन आउटडोर अधिनियम' में संसोधन का यह प्रस्ताव सांसद माइक एंजी ने पेश किया, जिसका उद्देश्य अमेरिका के कई शीर्ष स्मारकों और राष्ट्रीय उद्यानों के रखरखाव के लिए धन एकत्र करना है। सांसद ने कहा कि राष्ट्रीय उदयान सेवा के अनुसार उद्यानों के लंबित रखरखाव के काम के लिए करीब 12 अरब डॉलर की आवश्यकता है। पिछले वर्ष राष्ट्रीय उद्यान सेवा का बजट 4.1 अरब डॉलर था। एंजी ने कहा, इस संसोधन के अनुसार विदेशी पर्यटकों को देश में प्रवेश के समय ही इन उद्यानों का लुत्फ उठाने के लिए 16 से 25 डॉलर अधिक का भुगतान करना होगा। पिछले कई समय से इन उद्यानों में आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या बढ़ी है। उन्होंने कहा, उदाहरण के तौर पर, भारत में ताज महल देखने जाने वाले विदेशी पर्यटकों को 18 डॉलर का भुगतान करना पड़ता है जबकि स्थानीय लोगों को 56 सेंट देना होता है। वहीं दक्षिण अफ्रीका के क्रूगर राष्ट्रीय उद्यान में विदेशी पर्यटकों को 25 डॉलर का भुगतान करना होता है जबकि स्थानीय लोग केवल 6.25 डॉलर देते हैं। वहीं दक्षिण अफ्रीका के क्रूगर राष्ट्रीय उद्यान में विदेशी पर्यटकों को 25 डॉलर का भुगतान करना होता है जबकि स्थानीय लोग केवल 6.25 डॉलर देते हैं।

ऑस्ट्रेलिया में कोरोना से अत्यधिक प्रभावित क्षेत्र में घर-घर जाकर होगी जांच

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के मेलबर्न शहर में कोरोना वायरस से अत्यधिक प्रभावित इलाके में स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर एक लाख से अधिक लोगों की जांच करेंगे। विक्टोरिया राज्य में बृहस्पतिवार को संक्रमण के 33 नए मामले सामने आए और यह पिछले दो महीने में प्रतिदिन सामने आने वाले मामलों की सर्वाधिक संख्या है। विक्टोरिया के प्रीमियर डेनियल एंड्रूज ने बताया कि 10 उपनगरीय क्षेत्रों के निवासियों की आधी आबादी के नमूने जांच के वास्ते एकत्रित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि दस दिन में प्रतिदिन दस हजार लोगों की जांच करने का लक्ष्य रखा गया है। यह जांच मुफ्त में की जाएगी। इस अभियान में एक हजार से अधिक सैन्य कर्मी सहायता करेंगे और जांच के नतीजे की प्रक्रिया में अन्य राज्यों का सहयोग लिया जाएगा।ऑस्ट्रेलिया में कोरोना वायरस के 7,500 मामले सामने आ चुके हैं और महामारी से 104 लोगों की मौत हो चुकी है।

विकीलीक्स संस्थापक असांजे के खिलाफ अमेरिका में नए आरोप तय किए गए

वाशिंगटन (एजेंसी) ।

अमेरिका में विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे के खिलाफ यूरोप और एशिया में आयोजित सम्मेलनों में हैकरों को भर्ती करने और हैकिंग संगठन के सदस्यों के साथ मिलकर षड्यंत्र रचने के नए आरोप लगाए गए हैं। असांजे के खिलाफ बुधवार को घोषित गए नए आरोपों में कहा गया है कि उन्होंने यूरोप और एशिया में आयोजित सम्मेलनों में हैकरों को इसलिए भर्ती किया ताकि वे उनकी वेबसाइट को खुफिया जानकारी मुहैया करा सकें। अमेरिकी न्याय मंत्रालय ने असांजे के खिलाफ पिछले साल जो 18 आरोप लगाए थे, उनके स्थान पर नए आरोप लगाए हैं, लेकिन अभियोजकों का कहना है कि ये नए आरोप खुफिया जानकारी खरीदने और जारी करने के असांजे के प्रयासों को रेखांकित करते हैं। सम्मेलनों में हैकरों की भर्ती करने के अलावा असांजे पर 'लुल्जसेक' और 'अनानमस' हैकिंग समूहों के सदस्यों के साथ मिलकर षड्यंत्र रचने का आरोप लगाया गया है। अभियोजकों ने बताया कि असांजे ने 17 वर्षीय एक हैकर के साथ भी काम किया, जिसने उन्हें बैंक से चुराई सूचना दी और उन्होंने किशोर को निर्देश दिया कि वह उच्च रैंकिंग वाले सरकारी अधिकारियों की ऑडियो रिकॉर्डिंग समेत अतिरिक्त सामग्री चुराए। असांजे के वकील बैरी पोलक ने एक बयान में कहा, ''सरकार का जुलियन असांजे के पीछे पड़ जाना हर जगह पत्रकारों और लोगों के सूचना के अधिकार के लिए बड़ा खतरा है।' असांजे को लंदन स्थित एक्वाडोर के दूतावास से निष्कासित किए जाने के बाद पिछले साल गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने बलात्कार एवं यौन उत्पीड़न के आरोपों के कारण स्वीडन जाने से बचने के लिए दूतावास में शरण ले रखी थी।

संयुक्त राष्ट्र के 'गरीबी उन्मूलन गठबंधन' में संस्थापक सदस्य के तौर पर शामिल हुआ भारत

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।

भारत संयुक्त राष्ट्र के 'गरीबी उन्मूलन गठबंधन' के संस्थापक सदस्य के रूप में शामिल हो गया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष द्वारा गठित इस गठबंधन का लक्ष्य कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करना है। महासभा के 74वें सत्र के अध्यक्ष तिजानी मोहम्मद बंदे 30 जून को 'गरीबी उन्मूलन गठबंधन' की औपचारिक शुरूआत करेंगे। उन्होंने कहा कि यह गठबंधन विश्व शांति, मानवाधिकार एवं सतत विकास को गरीबी के कारण पैदा होने वाले खतरों के बारे में जागरुकता पैदा करने के लिए सदस्य देशों को मंच मुहैया कराएगा। भारत संस्थापक सदस्य के तौर पर इस गठबंधन में शामिल हुआ है। भारत ने जोर दिया है कि केवल मौद्रिक मुआवजे से गरीबी उन्मूलन नहीं होगा, गरीबों के लिए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वास्थ्यसेवा, स्वच्छ जल, स्वच्छता, उचित आवास एवं सामाजिक सुरक्षा सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी उप प्रतिनिधि नागराज नायडू ने कहा, ''दुनिया में कई लोग इतने भूखे हैं कि उनके लिए रोटी मिलना, भगवान मिलने के सामान है। वैश्विक असमानता की पैठ भीतर तक है। यह हैरान करने वाली बात है कि पृथ्वी की 60 प्रतिशत से अधिक धन-सम्पत्ति करीब 2,000 अरबपतियों के पास है।'' नायडू ने महासभा के अध्यक्ष एवं गठबंधन के सदस्यों के साथ मंगलवार को अनौपचारिक बैठक में कहा, ''गरीबी किसी अपराध के बिना सजा देने के समान है।''नायडू ने कहा कि गठबंधन को विभिन्न प्रकार के अभाव के नजरिए से गरीबी का विश्लेषण करना चाहिए।

उन्होंने कहा, ''उदाहरणार्थ, एक ही घर में लोग अलग-अलग तरीके से गरीबी से प्रभावित होते हैं। भले ही इस संबंध में आंकड़े सीमित हैं, लेकिन इस बात के साक्ष्य मौजूद हैं कि महिला एवं बच्चे गरीबी से असंगत तरीके से प्रभावित होते हैं।'

ट्रम्प के एक फरमान ने अलग कर दिए कई परिवार

नेशनल डेस्क। अमरीकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के अस्थायी कार्य वीजा पर रोक के फरमान से एक हजार से ज्यादा लोग अमरीका में अपने परिवार से दूर भारत में ही फंस गए हैं। इन लोगों ने संदेश सेवा प्रदाता एप टैलीग्राम पर एक प्राइवेट ग्रुप बना लिया है, ताकि मदद मांगी जा सके। लोग मार्च के शुरू में अमरीका से भारत आए थे और पहले लॉकडाऊन व अब वीजा ही मान्य न रहने से कम से कम साल के अंत तक यहीं फंस कर रह गए हैं। इनमें कई महिलाएं भी हैं, जिनके छोटे बच्चे उनके पतियों के पास अमरीका में उनका इंतजार कर रहे हैं। करीब एक दशक से ज्यादा समय बाद इस साल मार्च के शुरू में पूर्वा दीक्षित अमरीका से भारत लौटी थीं। उनकी 72 वर्षीय मां बिस्तर से गिरकर अचेत हो गई थीं और गंभीर अवस्था में थीं। कोरोना महामारी के डर से पूर्वा ने अपने दोनों छोटे बच्चों को पति के पास कैलिफोर्निया में ही छोड़ दिया था। पूर्वा और उसके पति भारतीय नागरिक हैं, जबकि दोनों बच्चे अमरीका में पैदा हुए हैं, इसलिए उनके पास अमरीकी नागरिकता है। पूर्वा एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं और अस्थायी कार्य वीजा पर अमरीका में रह रही हैं। उन्हें 17 मार्च को वापस कैलिफोर्निया लौटना था, मगर एक दिन पहले 16 मार्च को ही कोरोना लॉकडाऊन की वजह से कंसुलेट बंद हो गया। आठ दिन बाद उनकी माताजी भी गुजर गईं। अब सोमवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमरीका में सभी अस्थायी वीजा पर इस साल के अंत तक रोक लगा दी है। अब सोमवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अमरीका में सभी अस्थायी वीजा पर इस साल के अंत तक रोक लगा दी है। इससे वह अब पूरा साल अपने बच्चों के पास वापस अमरीका नहीं लौट सकती हैं और भारत में ही फंस कर रह गई हैं।

दुनिया में कोरोना की 120 वैक्सीन पर चल रहा काम, ब्रिटेन में ह्यूमन ट्रायल शुरू

इंटरनशनल डेस्क (एजेंसी)।

दुनिया में कोरोना वायरस संक्रमितों की संख्या 1 करोड़ के पास पहुंच गई है। इस महामारी को मात देने के लिए विश्व भर में करीब 120 वैक्सीन पर काम चल रहा है। लेकिन 4 वैक्सीन ऐसी हैं जो लगभग आखिरी चरण में हैं। इनमें एक अमेरिका, दो ब्रिटेन और एक चीन में तैयार हो रही है। वैक्सीन बनाने की दौड़ में ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी और ऑस्ट्रेजेनेका कंपनी सबसे आगे हैं। इनकी वैक्सीन एजेडडी 1222 से दुनिया को काफी उम्मीदें हैं इसलिए यूरोप के कई देश इस पर मिलकर काम कर रहे हैं। अब तक दो चरणों में यह सफल साबित हुई है और अब 800 लोगों पर इसका ट्रायल हो रहा है । इंपीरियल कॉलेज लंदन के वैज्ञानिक भी एक वैक्सीन पर काम कर रहे हैं। इंपीरियल कॉलेज की ओर से विकसित किए गए वैक्सीन को आने वाले सप्ताहों में करीब 300 लोगों को लगाया जाएगा। मंगलवार को वैक्सीन का मानव परीक्षण शुरू हुआ और छोटी खुराक एक इंसान को दी गई। कॉलेज की ओर से जारी बयान में कहा गया कि वैक्सीन लेने वाला व्यक्ति बिल्कुल स्वस्थ है। इससे पहले जानवरों पर हुए परीक्षण में यह वैक्सीन सुरक्षित पाया गया है और प्रभावी इम्यून विकसित करने में सफल रहा है। इसके अलावा ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी भी ह्यूमन ट्रायल शुरू कर चुका है। दुनिया में करीब 120 वैक्सीन प्रोग्राम पर काम चल रहा है। वैक्सीन अभी बनी नहीं लेकिन दुनिया भर से पांच अरब से ज्यादा खुराक का समझौता हो चुका है। अस्ट्राजेनेका तो लाखों डोज अभी से तैयार कर रही है ताकि वैक्सीन अनुमति मिलते ही वह उसे बाजार में उतार सके। अमेरिकी कंपनी ने किया 90 फीसदी सफलता का दावा अमेरिकी कंपनी मॉडर्ना वैक्सीन बनाने के आखिरी चरण में पहुंच चुकी है। कंपनी के सीईओ स्टीफन बैंसेल ने कहा जुलाई में वैक्सीन का अंतिम ह्यूमन ट्रायल होगा। उन्हें 80-90 फीसदी तक इसमें सफलता मिलने की उम्मीद है। बैंसेल ने कहा कि हमें भरोसा है कि अमेरिकी ड्रग नियामक संस्था उन्हें जल्द वैक्सीन को बाजार में लाने की अनुमति दे देगी। एक न्यूज चैनल से बातचीत में उन्होंने दावा किया कि उनके पास सही जीनोम अनुक्रम है जो वायरस के एंटीबॉडी को तोड़ने में सफल हो सकता है। चीन नेशनल बायोटेक ग्रुप की ओर से तैयार वैक्सीन को अंतिम ट्रायल की मंजूरी मिल गई है।

चीन में कोरोना के गंभीर लक्षणों वाले मरीज अब बचे नहीं हैं इसलिए कंपनी वैक्सीन का ट्रायल संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में करने जा रही है। वैज्ञानिकों को उम्मीद है कि सितंबर या अक्तूबर अंतिम परीक्षण के बाद उनकी वैक्सीन को अनुमति मिल जाएगी। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इंपीरियल कॉलेज में शुरू हुए ट्रायल में 39 वर्षीय कैथी पहले कुछ वॉलंटियर्स में से हैं। उन्होंने कहा कि वह कोरोना के खिलाफ जंग का हिस्सा बनना चाहती हैं और इसके लिए आगे आई हैं।

कैथी ने कहा, जब तक वैक्सीन नहीं बन जाता है, चीजें पहले की तरह सामान्य नहीं हो सकती हैं। इसलिए मैं इसका हिस्सा बनना चाहती हूं। इस फेज के बाद अक्टूबर में दूसरा ट्रायल शुरू होगा, जिसमें 6 हजार लोगों को शामिल किया जाएगा। इंपीरियल टीम को उम्मीद है कि ब्रिटेन और दुनियाभर में 2021 की शुरुआत में वैक्सीन उपलब्ध कराया जा सकता है। इस बीच प्रिंस विलियम ने ऑक्सफोर्ट यूनिवर्सिटी के ट्रायल में शामिल हो रहे वॉलेंटियर्स से चर्चिल हॉस्पिटल में मुलाकात की है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूरत के ट्रस्ट द्वारा गलवान घाटी में शहीद हुए जवानों के परिवार को 2.50 लाख की सहायता का ऐलान

सूरत, लद्दाख की गलवान घाटी में चीनी सैनिकों के मारते मारते शहीद हुए भारतीय जवानों के परिवार को सूरत के मारुति वीर जवान ट्रस्ट ने रु. 2.50 लाख की सहायता देने का ऐलान किया है! शहीद जवानों को वीराजंलि और उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करने के लिए आयोजित कार्यक्रम में ट्रस्ट की ओर से यह ऐलान किया गया।

मारुति वीर जवान ट्रस्ट गलवान घाटी में शहीद 20 जवानों के परिजनों को कुल 50 लाख रुपए की सहायता राशि देगा।

सूरत का मारुति वीर जवान ट्रस्ट देश की सीमा पर रक्षा करते जवानों के लिए काम करता है। वर्ष 2019 में मारुति वीर जवान ट्रस्ट द्वारा शहीदों को सलाम कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

जिसमें 120 शहीद जवानों के परिवारों को एक ही मंच से रक्षा मंत्री राजनाथसिंह के करकमलों से आर्थिक सहायता प्रदान की गई थी।

ट्रस्ट की ओर से 2017 से 2019 तक कुल 180 शहीद परिवारों को सम्मान के साथ आर्थिक सहायता की जा चुकी है।

मारुति वीर जवान ट्रस्ट की स्थापना 2017 में की गई थी। ट्रस्ट के प्रमुख नानुभाई सावलिया और ट्रस्टी द्वारा मोरारी बापू की कथा के जरिए फंड एकत्र किया गया था।

इस फंड से शहीद जवानों के परिवारों को आर्थिक मदद की जाती है।

हर शहीद जवानों के लिए भव्य कार्यक्रम का आयोजन कर शहीद परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की जाती है।

प्राइवेट लेबोरेटरी में 2500 में होगा कोरोना टेस्ट, घर पर 3000 : नितिन पटेल

अहमदाबाद , गुजरात राज्य में प्राइवेट लेबोरेटरी में का. रोना टेस्ट चार्ज रु. 4500 से घटाकर रु. 2500 कर दिया है।

हांलाकि घर पर टेस्ट कराने पर रु. 3000 चार्ज देना होगा। उप मुख्यमंत्री नितिन पटेल ने यह जानकारी देते हुए बताया कि राज्य में लगातार बढ़ रही कोरोना महामारी की स्थिति को देखते हुए प्राइवेट लेबोरेटरी द्व ारा लिए जाते रु. 4500 को घटाकर रु. 2500 किया गया है।

गुजरात सरकार ने राज्य के हितों को ध्यान में रखते हुए कोरोना टेस्टिंग चार्ज रु. 2000 से रु. 1500 तक घटाने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार के अधीन अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों में निःशुल्क कोरोना टेस्ट किया जा रहा है, जहां प्रति दिन करीब 4000 से 4500 जितने टेस्टिंग किए जा रहे हैं।

हाल ही में राज्य सरकार ने यह भी फैसला किया है कि किसी व्यक्ति में कोरोना के लक्षण पाए जाते हैं तो एमडी फिजिशियन डॉक्टर यदि टेस्टिंग की सलाह देते हैं तो निजी अस्पताल में वह व्यक्ति टेस्टिंग करा सकता हैं

उन्होंने कहा कि अब तक प्राइवेट लेबोरेटरी में कोरोना टेस्ट के लिए रु. 4500

जाते थे। अब प्राइवेट लेबोरेटरी में कोरोना टेस्ट के रु. 4500 के बजाए रु. 2500 लेना होगा।

यदि कोई व्यक्ति टेस्ट के लिए घर बुलाता है तब रु. 3000 देना होगा।

अब प्राइवेट लेबोरे. टरी कोरोना टेस्ट के निर्धारित चार्ज से अधिक चार्ज नहीं ले पाएंगी। निर्धारित चार्ज से अधि ाक चार्ज लेने वाले लेबोरेटरी की मान्यता रद्द कर दी जाएगी।

नितिन पटेल ने कहा कि अहमदाबाद में जिस प्रकार टेस्टिंग किया जा रहा है, उससे पिछले सप्ताह से कोरोना मामलों में कमी आई है।

मुख्यमंत्री के आदेशानुसार अहमदाबाद की घनी आबादी वाले क्षेत्रों में धन्वतरी रथ द्वारा मुहल्ले मुहल्ले सर्वेलन्स और स्वास्थ्यलक्षी चिकित्सा मुहैया करवाई जा रही है।

जिसकी वजह से घनी आबादी में कोरोना केसों में प्रमाण घट रहा है।

सूरत में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए सरकार ने अहमदाबाद मॉडल आधारित सर्वेलन्स समेत स्वास्थ्यलक्षी इलाज धन्वतरी रथ द्वारा मुहैया कराने का फैसला किया है।

इसके लिए राज्य की स्वास्थ्य सचिव डॉ. जयंती रवि ने सूरत का दौरा कर इस संदर्भ में मार्गदर्शन दिया है।

उन्होंने कहा कि राज्य के किसी भी क्षेत्र में जरूरत के मुताबिक सर्वेलन्स समेत स्वास्थ्यलक्षी सभी उपाय स्वास्थ्य विभाग की ओर से किए जाएंगे।

श्रमिक विशेष ट्रेनों के सफल परिचालन के लिए पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक द्वारा सभी 6 मंडलों को पुरस्कार

अहमदाबाद , 2 मई से 20 जून, 2020 तक, पश्चिम रेलवे ने लॉकडाउन के कारण फॅसे हुए प्रवासी मजदूरों और उनके परिवारों को देश के विभिन्न राज्यों में उनके गृहनगरों तक पहुंचाने के लिए 1,229 श्रमिक स्पेशल ट्रेनें सफलतापूर्वक चलाई हैं। भारतीय रेलवे की इस विलक्षण पहल ने लाखों प्रवासी कामगारों को बड़े पैमाने पर लाभान्वित किया है, जो केवल उन निष्ठावान और परिश्रमी रेल कर्मचारियों एवं अधिकारियों की बदौलत ही सम्भव हुआ, जिन्होंने इसे एक बड़ी उपलब्धि बनाने के लिए अपने समर्पण और कड़ी मेहनत का प्रदर्शन किया। पश्चिम रेलवे के ऐसे सभी सम्बंधि ात अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक

आलोक कंसल ने उनके अनुकरणीय प्रदर्शन और 1229 श्रमिक विशेष ट्रेनों के सफल परिचालन हेतु पश्चिम रेलवे के सभी छह मंडलों के लिए पुरस्कारों की घोषणा की है। इन श्रमिक विशेष ट्रेनों के परिचालन के दौरान 20 मई, 2020 का दिन पश्चिम रेलवे के लिए एक गौरवपूर्ण दिवस रहा, जब सिर्फ एक दिन में पश्चिम रेलवे के विभिन्न स्टेशनों से 91 श्रमिक विशेष ट्रेनों का परिचालन कर एक अनूठा कीर्तिमान स्थापित किया गया।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी रविन्द्र भ. ाकर द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार भारतीय रेलवे पर चली कुल श्रमिक स्पेशल ट्रेनों में 28ः से अधिक 1229 श्रमिक स्पेशल ट्रेनों का सफल परिचालन पश्चिम रेलवे द्वारा किया गया। इन ट्रेनों ने गुजरात, महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश राज्यों के लगभग 18.49 लाख प्रवासी मजदूरों को उल्लेखनीय राहत प्रदान की है। पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक आलोक कंसल ने इस उत्कृष्ट कार्य के लिए सभी छह मंडलों के लिए नकद पुरस्कारों की घोषणा की है, जिनमें मुंबई डिवीजन को एक लाख रु., वडोदरा डिवीजन को 50,000 रु. अहमदाबाद मंडल को 75,000 रु., राजकोट डिवीजन को 50,000 रु. और भावनगर एवं रतलाम डिवीजनों को क्रमशः

25,000 रु. के नकद पुरस्कार की घोषणा की गई है।

श्रमिक स्पेशल ट्रेनों के परिच. ालन की उपलब्धि को इन ट्रेनों के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने वाले रेल कर्मचारियों एवं अधिकारियों के अभूतपूर्व योगदान के लिए निश्चित रूप से भारतीय रेलवे के इतिहास में स्थायी रूप से अंकित किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि इन श्रमिक विशेष रेलगाड़ियों को चलाने में पश्चिम रेलवे की भूमिका को माननीय रेल मंत्री पीयूष गोयल और गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री विजयभाई रूपाणी द्वारा भी सराहा गया है। 3 जून, 2020 को, गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री रूपाणी ने गुजरात के प्रवासी मजदूरों और उनके परिवारों की यात्रा की अच्छी व्यवस्था करने के लिए पश्चिम रेलवे की उत्कृष्ट पहल और समन्वय हेतु पश्चिम रेलवे के पांच डिवीजनों को सम्मानित किया।

माननीय मुख्यमंत्री रूपाणी ने पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद, वडोदरा, राजकोट, भावनगर और मुंबई सेंट्रल डिवीजनों के मंडल रेल प्रबंधकों को इस उपलक्ष्य में प्रशंसा ट्रॉफी से सम्मानित किया। गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री ने पश्चिम रेलवे के महाप्रबंधक आलोक कंसल और रेलवे बोर्ड के चेयरमैन वी. के. यादव को भी प्रशंसा ट्रॉफी भेजकर श्रमिक स्पेशल ट्रेनों के सफल संचालन में उनकी महत्वपूर्ण भूमिकाओं के लिए सम्मानित किया। माननीय रेल मंत्री पीयूष गोयल ने भी श्रमिक स्पेशल ट्रेनों के सफल संचालन में अहम भूमिका निभाने वाली पश्चिम रेलवे की टीम के उत्कृष्ट सामाजिक प्रयासों की सराहना की है। गौरतलब है कि इन 1229 श्रमिक स्पेशल ट्रेनों में से, उत्तर प्रदेश के बाद अधि ाकतम ट्रेनें बिहार के लिए चलाई गईं। विशेष श्रमिक ट्रेनें उड़ीसा, मध्य प्रदेश, झारखंड, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तराखंड, पश्चिम बंगाल, गुजरात, मणिपुर, जम्मू और कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु, केरल, असम और महाराष्ट्र के लिए भी संचालित की गईं।

3 मई से 20 जून, 2020 तक, कुल 188 श्रमिक स्पेशल ट्रेनें मुंबई उपनगरीय खंड के अंतर्गत विभिन्न स्टेशनों से निकली हैं, जिनमें बांद्रा टर्मिनस से 69 श्रमिक विशेष ट्रेनें, बोरीवली से 73, वसई रोड से 31, दहानू रोड से 2 और पालघर स्टेशन से 13 श्रमिक स्पेशल ट्रेनों का परिचालन हुआ है। इन ट्रेनों को गोरखपुर, जौनपुर, गोंडा, वाराणसी, प्रतापगढ़, भागलपुर, प्रयागराज, दरभंगा, दानापुर, हावड़ा आदि स्टेशनों के लिए रवाना किया गया।

इन 1229 ट्रेनों में से मुंबई डिवीजन ने सबसे अधिक 716 ट्रेनें, अहमदाबाद डिवीजन ने 260, वडोदरा डिवीजन ने 100, भावनगर डिवीजन ने 30, राजकोट डिवीजन ने 117 और रतलाम मंडल ने 6 श्रमिक स्पेशल ट्रेनें चलाईं। इन विशेष रेलगाड़ियों का संचालन सामाजिक प्रोटोकॉल के सभी मानदंडों को बनाए रखने के अलावा यात्रियों की समुचित थर्मल स्क्रीनिंग के साथ किया गया। यात्रा के दौरान यात्रियों को मुफ्त भोजन और पेयजल का वितरण भी किया गया।

हिट एन्ड रन की घटना में बाइक सवार युवक की घटनास्थल पर मौत

राजकोट ,शहर के 80 फूट रोड पर हिट एन्ड रन की घटना में एक बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई।

बाइक को उड़ाकर अज्ञात वाहन चालक घटनास्थल से फरार हो गया। थोराला पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

जानकारी के मुताबिक राजकोट की ढेबर कॉलोनी निवासी 32 वर्षीय शब्बीर नुरमहमद रावकरडा मोटर साइकिल पर मार्केट यार्ड के निकट अपने दोस्त से मिलने गया था।

दोस्त मिलने के बाद शब्बीर बाइक पर अपने घर की ओर लौट रहा था। रास्ते में 80 फूट रोड पर एक अज्ञात कार चालक ने बाइक सवार शब्बीर को उड़ा दिया। इस घटना में शब्बीर के सिर में गंभीर चोट लगने से उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने अज्ञात कार चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्यवाही शुरू कर दी।

रात्रि कर्फ्यू के दौरान यात्री बसों को न रोकने का आदेश

अहमदाबाद, राज्य के गृह विभाग ने कर्फ्यू के दौरान यात्री बसों को नहीं रोकने का पुलिस को आदेश दिया हैं।

रात के 9 बजे से सुबह 5 बजे तक लोगों के आवागमन पर प्रतिबंध है और इसलिए लगाया गया है ताकि लोगों की भीड़ जमा नहीं हो और सोशल डिस्टेंसिंग बरकरार रहे।

केन्द्रीय गृह मंत्रालय की एडवाइजरी के मुताबिक यह प्रतिबंध मालवाहक ट्रकों, वाहन या यात्री बसों और फ्लाइट या ट्रेन से आनेवाले लोगों पर लागू नहीं होता।

गौरतलब है कोरोना संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए रात्रि 9 बजे से सुबह 5 बजे तक कर्फ्यू रहता है और इस दौरान इमर्जंसी सर्विस को छोड़ लोगों की आवाजाही समेत सभी आर्थिक गतिविधियां बंद रहती हैं।

केन्द्रीय स्वास्थ्य विभाग की टीम आज गुजरात आएगी

अहमदाबाद ,केन्द्रीय स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त सचिव के नेतृत्व में एक टीम शुक्रवार को गुजरात आएगीद्य केन्द्रीय टीम अहमदाबाद के सिविल होस्पिटल और सोला सिविल अस्पताल का दौरा करेगी और जिला कलेक्टर वह महानगर पालिका के अधिकारियों के साथ बैठक करेगी।

केन्द्रीय स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त सचिव के साथ एक विशेषज्ञ चिकित्सक भी कल गुजरात आएंगे।

केन्द्रीय टीम शुक्रवार की सुबह 6.30 बजे अहमदाबाद हवाई अड्डे पहुंचेगी। जिसके पश्चात केन्द्रीय टीम में अहमदाबाद के कंटेंटमेंट जोन का दौरा करेगी।

अहमदाबाद में बढ़ रहे कोरोना के मामले और सरकार की तैयारी, सिविल अस्पताल में सुविधा समेत अन्य पहलुओं की जांच करेगी! साथ ही डॉक्टरों को आवश्यक मार्गदर्शन भी देगी।

केन्द्रीय टीम अहमदाबाद के सिविल अस्पताल और सोला सि. विल अस्पताल का भी दौरा कर सकती हैद्य शाम 4 बजे केन्द्रीय टीम राज्य के मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के साथ बैठक करेगी।

गुजरात में कोरोना का आंकड़ा 29578 पर पहुंच गया और इसमें सबसे अधिक करीब 20 हजार जितने मामले केवल अहमदाबाद में दर्ज हुए हैं।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)